RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 280 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 01 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

अवैध दरगाह व मंदिर को हटाना होगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में चल रहे बुल्डोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है। बुल्डोजर एक्शन पर फैसला आने तक फिलहाल बुल्डोजर की कार्यवाही पर रोक जारी रहेगी। देश में चल रहे बुल्डोजर एक्शन के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं पर आज सुनवाई हुई। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण को हटाना होगा। सड़क के बीच में अवैध रूप से बनाए गए दरगाह और मंदिर हटाने होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि कई राज्यों में अपराध के आरोपियों या किसी अन्य की संपत्तियों को गिराया जा रहा है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने 17 सितंबर को कहा था कि 1 अक्टूबर तक बिना सुप्रीम कोर्ट की पूर्व अनुमति के किसी की भी संपत्तियों को नहीं गिराया जाएगा।

अपने निर्देश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला संविधान के 'मूल

सिद्धांतों' के खिलाफ है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि उसका आदेश उन मामलों में लागू नहीं होगा, जहां सड़क, गली, फुटपाथ, रेलवे लाइन या किसी जल निकाय जैसे किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई अनधिकृत संरचना है और उन मामलों में भी लागू नहीं होगा, जहां न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया है।

यूपी समेत तमाम राज्यों में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़क, जल निकायों या रेल पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना चाहिए।

कोर्ट ने ये भी कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और बुलडोजर

कार्रवाई और अतिक्रमण विरोधी अभियान के लिए उसके निर्देश सभी नागरिकों के लिए होंगे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

कोर्ट ने कहा कि सड़क के बीच धार्मिक निर्माण पूरी तरह से अवैध है। फुटपाथ पर अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि व्यक्ति के आरोपी या दोषी होने पर घर नहीं तोड़ सकते। घर में बुजुर्ग भी रहते हैं। अचानक वह कहां जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि बुल्डोजर एक्शन आखिरी विकल्प होना चाहिए।

फिल्म स्टार गोविंदा को लगी गोली

अस्पताल में भर्ती, गोली डाक्टरों ने निकाली

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर गोविंदा को अपनी लाइसेंस रिवॉल्वर साफ करते हुए गोली लग गई है। एक्टर इस समय क्रिटिकेयर एशिया अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर्स उनकी देखभाल कर रहे हैं। गोविंदा के तमाम फैंस भी उनकी हेल्थ को लेकर चिंता में है। अब गोविंदा ने खुद अपने तमाम चाहने वालों को खुद ही अपना हेल्थ अपडेट दिया है और एक ऑडियो मैसेज जारी किया है।

जानकारी के मुताबिक गोविंदा को गोली लगने की घटना आज सुबह 4 बजकर 45 मिनट के आसपास की है। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया है कि एक्टर कोलकाता जाने की तैरारी में थे। उनकी पत्नी सुनीता पहले ही कोलकाता में थीं।

लेकिन घर से निकलने से पहले वो अपनी लाइसेंस रिवॉल्वर को साफ करके केस में रख रहे थे। तभी गन उनके हाथ से छूटकर जमीन पर गिर गई और मिसफायर होने से उनके घुटने में गोली लग गई। गोविंदा के मैनेजर ने ये भी बताया है कि एक्टर ने गोली लगने के बाद खुद उन्हें कॉल करके घटना की जानकारी दी थी।

मैं खतरे से बाहर : गोविंदा

"गोली लगने के बाद गोविंदा ने अस्पताल से ऑडियो मैसेज जारी करके अपनी सेहत को लेकर जानकारी दी है। एक्टर ने कहा- मैं अब खतरे से बाहर हूं। गलती से गोली चल गई थी। बाबा का आशीर्वाद है। मैं अपने डॉक्टर्स का धन्यवाद करता हूं। अपने फैंस का भी मैं आभारी हूं। गोविंदा ने आगे कहा-आप सब लोगों का आशीर्वाद, मां-बाबा का आशीर्वाद और बाबा की कृपा से जो गोली लगी थी वो निकाल दी गई है। मैं धन्यवाद करता हूं आप सभी का।

रक्तदान से बचती है किसी की जिंदगी : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर आज नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में कई जगहों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

नोएडा के सेक्टर-39 स्थित राजकीय जिला संयुक्त चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान डीएम ने स्वयं भी रक्तदान किया।

इस मौके पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि भारतीय समाज में रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान से कोई भी व्यक्ति किसी की भी जिंदगी बचा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है, जो दूसरों के जीवन को बचाने में मदद कर सकती है।

उन्होंने बताया कि रक्तदान कई प्रकार के होते हैं और ये सभी प्रकार के रक्तदान विभिन्न चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि रक्तदान को इसलिए

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर जिलाधिकारी ने किया रक्तदान

गौड़ सिटी के फ्लैट में गिरा छत का प्लास्टर, बच्चे को आई चोट

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक पॉश सोसाइटी में दिल दहलाने वाला हादसा देखने को मिला है । ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित गौड़ सिटी 1 सोसाइटी पाँचवे एवेन्यू के फ्लैट की छत का प्लास्टर का बड़ा हिस्सा नीचे गिर गया। प्लास्टर का हिस्सा नीचे खड़े बच्चे के सिर पर जा गिरा जिससे बच्चे के हाथ और सिर में चोट आई है। सोसाइटी के निवासियों में अभी डर और भय का माहौल बना हुआ है। निवासियों ने बिल्डर के ऊपर कार्यवाही करने की मांग की है। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में स्थित गौड़ सिटी सोसाइटी में अचानक बच्चे के ऊपर छत का प्लास्टर गिर गया । प्लास्टर गिरने से बच्चे को हाथ व सिर में चोट आई है। सोसाइटी के निवासियों का कहना है कि आए दिन किसी न किसी सोसाइटी में ऐसे हादसे से हो रहे हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गाजियाबाद की फैक्ट्री में लगी भीषण आग

तेल के ड्रम से आग फैली, नोएडा से भी बुलाए गए दमकल वाहन

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मुरादनगर के मनोटा में बीती रात दो फैक्ट्रियों में अचानक आग लग गई। मनोटा गांव की पवनपुरी औद्योगिक क्षेत्र स्थित दो शिवा ऑयल कंपनी में भीषण आग लग गई। तेल के ड्रम से शुरू हुई आग ने जल्द ही विकराल रूप ले लिया। गाजियाबाद के दमकल विभाग के मुताबिक तेल के ड्रम से शुरु हुई आग ने कुछ ही देर में पूरी फैक्टरी को चपेट में ले लिया। आग की जानकारी मिलने पर स्थानीय दमकल टीम ने जाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सकी। आग ने पास की इमारत को भी चपेट में ले लिया। ये इमारत बीआर एग्रो कंपनी की है। आग की भयावहता को देखते हुए गाजियाबाद और नोएडा से भी दमकल वाहनों को बुलाया गया। अभी आग में किसी प्रकार की जनहानि होने की बात सामने नहीं आई। आग लगने का कारण का पता लगाया जा रहा है।

ई-रिक्शा लूटने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली एनसीआर में ई-रिक्शा व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को थाना सेक्टर-39 पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को पैर में गोली लगी है जिससे वह घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन लोगों ने 3 दिन पहले एक ई-रिक्शा लूटा था। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-39 पुलिस रात चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुण्यतिथि

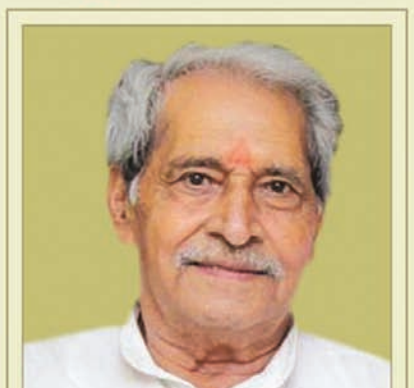

स्व. चौ. भीम सिंह नागर

संस्थापकः संगत ग्रीन पब्लिक इंटर कॉलेज

हमारे हृदय, मानस और यादों में
आप सदा प्रकाशपुंज की तरह दीप्तमान रहेंगे।
पुण्यतिथि पर आपको सभी परिवारजन
हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं

श्रद्धानवत
धर्मपत्नीः रेशम देवी
सुपुत्रः प्रताप नागर, उदय नागर (एडवोकेट)
पौत्रः धनुष नागर, देवराज नागर एवं समस्त नागर परिवार

जिले में एक ही स्थान पर लगी है महात्मा गांधी की प्रतिमा

जय हो सामाजिक संस्था के पदाधिकारी कल रखेंगे मौन उपवास

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जय हो सामाजिक संस्था ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) के एक दिन पूर्व आज जिले की एक मात्र गांधी प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान संस्था ने जहां एक तरफ दादरी क्षेत्र की तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 2 अक्टूबर को दादरी तहसील में होने वाले अपने मौन उपवास आंदोलन को (शेष पृष्ठ-3 पर)

कुप्रबंधन उजागर

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की फटकार ने निश्चित रूप से पंजाब सरकार की वित्तीय प्राथमिकताओं में घोर कुप्रबंधन को ही उजागर किया है। विडंबना यह है कि शासन-प्रशासन ने राज्य में स्वास्थ्य संबंधी दायित्व तो पूरे नहीं किए, लेकिन तंत्र के विलासितापूर्ण खर्चे बदस्तूर जारी रहे। कमजोर वर्ग के मरीजों को राहत देने के मकसद से शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार से मिले तीन सौ पचास करोड़ रुपये प्राप्त करने के बावजूद सरकार अस्पतालों के लिये यह धनराशि जारी करने में विफल रही। जिसके चलते चिकित्सा संस्थानों का राज्य सरकार पर करीब पांच सौ करोड़ धन बकाया रह गया है। यह विडंबना ही है कि शासन की यह लापरवाही ऐसे समय में उजागर हुई है जब राज्यभर के अस्पताल वित्तीय संकट के कारण मरीजों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा देने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश पर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों का वेतन रोकने का यह कदम जवाबदेही तय करने की दिशा में एक अनुकरणीय पहल है। यह मामला स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवा की अनदेखी से जुड़ा है। राजनेताओं के लिये नई कारों, कार्यालयों के नवीकरण का खर्च व महंगे विज्ञापन जैसे गैर आवश्यक खर्च के लिये इस धन के खर्च करने के कारण यह मामला बेहत गंभीर हो गया है। जिसके चलते अदालत ने इस दिशा में सख्त कार्रवाई की जरूरत को रेखांकित किया है। जो राज्य सरकार के लिये एक सबक भी है। यह प्रकरण बताता है कि शासन प्रशासन अपनी प्राथमिकताओं के निर्धारण में कितना संवेदनहीन बन जाता है। वह चिकित्सा सुविधाओं के लिये आवंटित धन के दुरुपयोग से भी गुरेज नहीं करता है। कैसी विडंबना है कि मरीजों को सस्ता व जरूरी उपचार सुनिश्चित करने वाली योजना के लिये आवंटित धन को विलासिता के लिये खर्च करने में गुरेज नहीं किया गया। निश्चय ही यह घटनाक्रम खराब शासन को ही दर्शाता है। वहीं सार्वजनिक कल्याण के लिये प्रशासन की प्रतिबद्धताओं से जुड़ी नैतिक चिंताओं पर भी सवालिया निशान लगाता है। ऐसे ही आर्थिक कुप्रबंधन के चलते पंजाब की वित्तीय परेशानियां लगातार बढ़ते राजकोषीय घाटे के कारण और भी बढ़ गई हैं। जिसका दबाव आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ रहा है। राज्य द्वारा धन का गलत तरीके से आवंटन शासन की विफलता को ही दर्शाता है। रिपोर्टें बताती हैं कि जहां राजनेताओं व नौकरशाहों को बड़े अनुदान से लाभ होता है, वहीं अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को बढ़ते कर्ज और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझना पड़ता है। जिसका सीधा असर रोगियों की देखभाल व सार्वजनिक स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर पड़ता है। उच्च न्यायालय द्वारा सरकारी खर्च के संबंध में पारदर्शिता की मांग सही दिशा में उठाया गया कदम है। शासन प्रशासन को अनावश्यक विलासिता के स्थान पर स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जब पास पहुँचीं, तब श्री शिवजी ने हँसकर कुशल प्रश्न करके कहा कि तुमने रामजी की किस प्रकार परीक्षा ली, सारी बात सच-सच कहो॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सतीं समुझि रघुबीर प्रभाऊ। भय बस सिव सन कीन्ह दुराऊ॥
कछु न परीछा लीन्हि गोसाईं। कीन्ह प्रनामु तुम्हारिहि नाईं॥

सतीजी ने श्री रघुनाथजी के प्रभाव को समझकर डर के मारे शिवजी से छिपाव किया और कहा-हे स्वामिन! मैंने कुछ भी परीक्षा नहीं ली, (वहाँ जाकर) आपकी ही तरह प्रणाम किया॥

जो तुम्ह कहा सो मृषा न होई। मोरें मन प्रतीति अति सोई॥
तब संकर देखेउ धरि ध्याना। सतीं जो कीन्ह चरित सबु जाना॥

आपने जो कहा वह झूठ नहीं हो सकता, मेरे मन में यह बड़ा (पूरा) विश्वास है। तब शिवजी ने ध्यान करके देखा और सतीजी ने जो चरित्र किया था, सब जान लिया॥

बहुरि राममायहि सिरु नावा। प्रेरि सतिहि जेहिं झूँठ कहावा॥
हरि इच्छा भावी बलवाना। हृदयँ बिचारत संभु सुजाना॥

फिर श्री रामचन्द्रजी की माया को सिर नवाया, जिसने प्रेरणा करके सती के मुँह से भी झूठ कहला दिया। सुजान शिवजी ने मन में विचार किया कि हरि की इच्छा रूपी भावी प्रबल है॥

(क्रमशः..)

बढ़ती हुई जनसंख्या और सीमित संसाधनों का जोखिम

बेतहाशा बढ़ती हुई जनसंख्या आज दुनिया की सबसे बड़ी परेशानियों में से एक बन चुकी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया के कई देशों में संसाधनों का बंटवारा ठीक तरह से नहीं हो पाता है। वहीं, कई देशों में वहां की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध संसाधन अब कम पड़ने लगे हैं। जाहिर है कि यदि किसी भी देश की जनसंख्या लगातार तीव्र गति से बढ़ेगी तो उसी अनुपात में वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी बढ़ेगा। इसे भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 13 सितंबर 2024 को भारत की जनसंख्या लगभग 1,453,567,738 थी, जो विश्व की कुल जनसंख्या (लगभग 8,176,283,486) का करीब 18 प्रतिशत है। गौरतलब है कि विश्व के महज ढ़ाई प्रतिशत भू-भाग पर दुनिया की कुल जनसंख्या का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा जीवन यापन करने के लिए विवश है। जरा सोचिए कि ऐसे में क्या देश में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इसी वर्ष अप्रैल के अंत में जारी संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस के अनुसार आज दुनिया भर के कुल 59 देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने के लिए मजबूर हैं। रपट के अनुसार युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण 2022 में 2.4 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सामग्री के अभाव में भूखे रहना पड़ा था।

यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल ही हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता।

यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल ही हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता। गौरतलब है कि यूक्रेन और सूडान से कई देशों को गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है, तब उन आयातक देशों के निवासियों का पेट भरता है। देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की रपट इस बात की ओर भी साफ संकेत करती है कि जैसे-जैसे विश्व भर में जनसंख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे ही भूखे लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती गई। बता दें कि भोजन के अभाव को लेकर रपट जारी करने की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में की थी और 2016 की पहली रपट की तुलना में हालिया रपट में विश्व भर में भूखे लोगों की संख्या में चार गुणा की वृद्धि हो चुकी है। जाहिर है कि यदि जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया और विश्व भर में मनुष्य की आबादी इसी प्रकार लगातार और बेतहाशा बढ़ती रही तो दुनिया में भुखमरी की समस्या एक विकराल रूप ले सकती है, जिससे निपटना अत्यंत ही कठिन हो जाएगा, इसमें दो मत नहीं हो सकता, बल्कि सच कहा जाए तो उप-सहारा अफ्रीका के देशों समेत कम संसाधनों वाले गरीब देशों में शायद परिस्थितियां इतनी बिगड़ जाएं कि वहां भुखमरी की समस्या से निपटना असंभव ही हो जाए।

गौर करें तो बढ़ती आबादी के कारण दुनिया भर में संसाधनों का बेतहाशा दोहन लगातार जारी है। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों यथा कोयला, तेल और प्राकृतिक गैसों आदि पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। इनके अतिरिक्त बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में सभी नागरिकों के लिए भोजन, वस्त्र, आवास, पेयजल, दवाइयां इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना भी किसी सरकार के लिए सरल कार्य नहीं है। अंग्रेजी अर्थशास्त्री थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने सन् 1798 में गणितीय रूप से भोजन और मानव जनसंख्या के बीच के संबंध को प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या वृद्धि पर एक निबंध लिखा था। अपने उस लेख में माल्थस ने तर्क दिया था कि जब भी खाद्य आपूर्ति बढ़ती है, तो जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ती है और उपलब्ध संसाधनों की प्रचुरता को समाप्त कर देती है, जिसके परिणामस्वरूप मानव पीड़ा बनी की बनी रह जाती है, जब तक कि मानव जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया जाता। तात्पर्य यह कि यदि तीव्र गति से और लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया तो वह उपलब्ध खाद्य उत्पादन की क्षमता से बहुत आगे निकल जाएगा और संसाधनों के अभाव में भुखमरी, कुपोषण, बीमारी, गरीबी एवं लाचारी जैसी समस्याएं लगातार बनी रहेंगी। देखा जाए तो माल्थस की बातों से हमने कोई सबक नहीं ली, जिसका परिणाम यह हुआ कि आज दुनिया की कुल आबादी 08 अरब से भी अधिक हो चुकी है।

इसका एक दूसरा पक्ष यह भी है कि जनसंख्या बढ़ने और संसाधनों के घटने से देशों पर कर्ज का बोझ बढ़ने लगता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रपट के अनुसार सितंबर 2023 तक भारत पर कुल कर्ज का बोझ 205 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वहीं, विश्व आर्थिक मंच की 2021 में जारी एक रपट के अनुसार शिक्षा गुणवत्ता में भारत का स्थान 90वां है। जनसंख्या संबंधी संयुक्त राष्ट्र की 15 नवंबर 2022 को जारी एक रपट के अनुसार वर्ष 2050 तक एशिया महाद्वीप की आबादी लगभग पांच अरब हो जाएगी और सदी के अंत तक दुनिया की आबादी 12 अरब तक पहुंच जाएगी। रपट में यह भी बताया गया था कि 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जबकि संयुक्त राष्ट्र की रपट के आकलन को झुठलाते हुए अप्रैल 2023 में ही चीन को पछाड़कर भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। फरवरी 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने ही अपनी एक और रपट जारी कर इसकी सूचना भी सार्वजनिक की थी। हालांकि 2011 के बाद भारतवर्ष में जनगणना नहीं हुई है। वैसे 1888 में भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड डफरिन ने भी जनसंख्या वृद्धि को एक समस्या के रूप में देखा था। उन्होंने तब यह आशंका प्रकट की थी कि भारत में कृषि उत्पादन कम है और अकाल इसलिए पैदा होता है, क्योंकि यहां जनसंख्या बहुत आकि है और लोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

इसके बावजूद 1871 से 1941 तक भारत की जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 0.60 प्रतिशत रही, जबकि इस दौरान दुनिया का औसत 0.69 प्रतिशत ही था। हालांकि 20वीं सदी के पहले दो दशकों में जनसंख्या वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रही। 1931 की जनगणना में जब सामने आया कि भारत में 1921 से 1931 के बीच प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की दर से जनसंख्या बढ़ी है तो सभी चौंक गए, लेकिन 1951 के बाद यह दर लगातार बढ़ती हुई लगभग दो प्रतिशत के आसपास पहुंच गई। वैसे हम इस बात के लिए थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि 1970 के दशक से देश की जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की जाती रही है, लेकिन यह गिरावट दर अपेक्षाकृत इतनी धीमी रही है कि इसके लिए खुश नहीं हुआ जा सकता। आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में वर्ष 1971-81 के बीच वार्षिक जनसंख्या वृद्धि की दर जो 2.5 प्रतिशत थी, उससे घटकर वर्ष 2011-16 के मध्य तक आते-आते 1.3 प्रतिशत रह गई। इस संदर्भ में अनेक प्रकार के तर्क और विचार दिए जाते रहे हैं, जिनमें से यह तर्क कि पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर किए जा रहे सुधारों के कारण धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, सच प्रतीत होती है, क्योंकि वास्तव में अब तक जनसंख्या वृद्धि की दर सर्वाधिक उन्हीं इलाकों में पाई गई है, जिन क्षेत्रों में लोग शिक्षित और स्वस्थ नहीं होते।

गौरतलब है कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के कारण किसी भी देश की स्थित खिराब हो सकती है। इसके कारण उत्पन्न हुई बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी आदि ऐसी समस्याएं हैं, जो किसी भी समाज के नैतिक, सैद्धांतिक, सांस्कृतिक, पारंपरिक और नैष्ठिक ताने-बाने को ध्वस्त कर सकती हैं। इसके कारण व्यक्तियों का सामाजिक विकास, सांस्कृतिक उत्थान और मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन बाधित हो सकता है। और यदि ऐसा हुआ तो समाज में चारों ओर हिंसा, बलात्कार, भ्रष्टाचार, लूटपाट, चोरी, छिनतई, हत्या, आत्महत्या, उग्रवाद और आतंकवाद जैसे अपराधों में बेतहाशा वृद्धि होने लगेगी। लोग कानून और लोकलाज की परवाह किए बिना ही केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगे रहेंगे। देखा जाए तो कमोबेश आज ऐसी ही परिस्थितियों से हमारा देश गुजर रहा है। जाहिर है कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किए बिना इन समस्याओं का समाधान कर पाना संभव नहीं होगा। वैसे जनसंख्या को लेकर भारतवर्ष के अनुभवों की बात करें तो आश्चर्य होता है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोड़कर देश के किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सरकार की ओर से कोई भी कठोर कदम नहीं उठाए गए, ताकि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाई जा सके। शायद वोट बैंक की राजनीति के कारण देश की सरकारें जनता को नाराज करने से बचना चाहती होंगी, क्योंकि स्वतंत्रता से पूर्व भारतीय समाज में यह धारणा व्याप्त थी कि अधिक जनसंख्या विकास का पैमाना होता है।

दरअसल, उन दिनों जनसंख्या का कम होना नकारात्मक परिस्थितियों की देन माना जाता था, जो एक बुरी स्थित थी, किंतु समय के साथ हमारी सोच में बदलाव आता गया और हमने इस पर विचार करना शुरू किया कि क्या भारतवर्ष इतनी बड़ी जनसंख्या को संभालने में सक्षम है। समय-समय पर आने वाले भयानक सूखे और अकाल की त्रासदी ने भी इस चिंता की तरफ देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बावजूद 1970 के दशक तक हमारी सरकारों ने देश में खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाकर जनसंख्या वृद्धि का समाधान ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन आपातकाल के समय इंदिरा गांधी की सरकार ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को बहुत सख्ती से अपनाया। जबरन नसबंदी कराए जाने के कारण लोग बेहद नाराज थे। 1977 में आपातकाल के बाद जब इंदिरा गांधी चुनाव हार गईं तब विश्लेषकों ने माना कि परिवार नियोजन की सख्ती के कारण ही वह चुनाव हारी थीं। उसके बाद 1980 और 1990 के दशक में पब्लिक डोमेन में तो बढ़ती हुई जनसंख्या पर खूब बातें हुईं, किंतु राजनेताओं ने इस पर चुप्पी साधना ही बेहतर समझा। यही नहीं, भूमंडलीकरण के बाद भी जनसंख्या का मुद्दा भारत में दबा ही रहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से %आबादी के तेजी से बढ़ने% की बात कहते हुए केंद्र और राज्यों से इसे रोकने के लिए योजनाएं बनाने का आह्वान भी किया था। वहीं, 2024 के अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेजी से बढ़ती आबादी और डेमोग्राफी में आए बदलाव की चुनौतियों से निपटने के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति बनाने का ऐलान किया, जो %विकसित भारत% बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इन समस्याओं से निपटने के लिए सुझाव देगी।

-चेतनादित्य आलोक

'मेक इन इंडिया' से भारत को कितना लाभ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार बढ़ाने के लिए 'मेक इन इंडिया' की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को की थी। इस योजना को 10 वर्ष हो गए। इन वर्षों में यह योजना कितनी कामयाब हुई, इस पर सभी के अपने-अपने विचार हो सकते हैं। कोई इसे पानी के आधे भरे गिलास की तरह देखेगा, तो कोई खाली। हालांकि मेक इन इंडिया की एक शाखा उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के अनुसार देश में पिछले लगभग 10 वर्षों में अच्छा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी बहुत ज्यादा गंभीर दिखते हैं। मेक इन इंडिया सरकार की अच्छी पहल है। प्रधानमंत्री हमारे देश की वस्तुओं की मांग विदेशों में बढने की बात कहते हैं। उससे उम्मीद की किरण नजर आई कि हमारे देश में विदेशी मुद्रा आएगी।

-राजेश कुमार चौहान, सुजानपुर टीहरा

राशिफल

आश्विन कृष्ण पक्ष : चतुर्दशी

(विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य आपका अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। जबकि आराम-तलब चीजें लग्जरी आइटम की बढ़ोत्तरी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जो भी आपने सोचा है, उसे व्यावसायिक रूप से लागू करें। लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक भी बढ़ेगा, लेकिन खर्च की अधिकता हो सकती है। अगर खर्च किया, तो नुकसान भी होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पॉजिटिव ऊर्जा आपके अंदर बहुत अच्छी चल रही है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा चल रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता रहेगी। मन परेशान रहेगा। फिर भी एक रौब और रुआब आपके अंदर बना रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। सिर दर्द,नेत्र पीड़ा संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक, व्यापारिक संतुलन बनेगा। तरक्की करेंगे। जो भी सरकारी तंत्र है, कोर्ट-कचहरी है, राजनीतिक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं एक दिन बस, उसके बाद सबकुछ अच्छा हो जाएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गौतमबुद्धनगर डॉ. महेश शर्मा को उनके निवास पर जन्मदिन की बधाई देते वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय बंजारा महासभा उत्तर प्रदेश ताराचंद नायक।

वेंडिंग जोन के दुकानदारों ने चौकी प्रभारी के खिलाफ खोला मोर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 नोएडा के अंतर्गत पुलिस चौकी प्रभारी सेक्टर-51, नोएडा से प्रताड़ित सेक्टर- 50, नोएडा वैडिंग जोन संख्या- 4 के दुकानदारों ने सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन की अध्यक्ष पूनम देवी, मंत्री भरत डेंजर, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान, यूनियन के पदाधिकारी हरी गुप्ता, कपिल पासवान आदि के नेतृत्व में थाना प्रभारी थाना सेक्टर-49, नोएडा को संबोधित ज्ञापन थाना सेक्टर- 49, नोएडा पर दिया उसके बाद वेंडर्स ने नोएडा प्राधिकरण कार्यालय सेक्टर-6, नोएडा पर प्रदर्शन कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को संबोधित ज्ञापन दिया।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा बनाए गए उक्त वेंडिंग जोन के वेंडर्स को अनुचित निजी लाभ के उद्देश्य से स्थानीय पुलिस परेशान कर रही है, और उन्हें सही तरीके से

रोजगार नहीं करने दिया जा रहा है, छोटी-छोटी बातों का बहाना बनाकर वेंडर्स को पड़कर जिप्सी में बैठा लिया जाता फिर छोड़ने के नाम पर लेनदेन होता है जो लोग पैसा नहीं दे पाते हैं उन्हें धारा 151 लगाकर चालान कर दिया जाता है, जिसमें भी जमानत कराने, फिर तारीख लगाने आदि प्रक्रिया में वेंडर्स का आर्थिक मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। उक्त कार्रवाई से वेंडर्स में आक्रोश है। इस संबंध में हमारी यूनियन द्वारा उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। यदि फिर इस तरह की घटना हुई तो हमारी यूनियन बड़ा प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

यूनियन की नेता पूनम देवी व भरत डेंजर ने कहा की उच्च अधिकारी स्थिति पर संज्ञान लेकर चौकी प्रभारी सेक्टर- 51, नोएडा की अनुचित व गैर कानूनी कार्य प्रणाली पर रोक लगाकर उन्हें वेंडर्स को सही तरीके से रोजगार करने देने के दिशा निर्देश दें। साथ ही उन्होंने कहा कि चौकी प्रभारी की अनुचित दखलअंदाजी बंद नहीं हुई तो हमारी यूनियन पुलिस के उच्च अधिकारियों के समक्ष धरना प्रदर्शन कर फिर ज्ञापन देगी।

अवैध पटाखों के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिवाली से पहले अवैध पटाखों का कारोबार करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने लाखों रूपये के अवैध पटाखों के साथ एनटीपीसी कट दादरी से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी पिकअप में भरे 16 बोरी और 3 कार्टन में विभिन्न प्रकार के पटाखे के भर कर ले जा रहा था। बरामद पटाखे दिवाली के समय में सप्लाई किए जाने थे। आरोपी की पहचान नई आबादी कस्बा दादरी के निवासी आमिर के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के पास पटाखे खरीदने-बेचने का लाइसेंस नहीं था। इस तरह से वो अवैध कमाई कर रहा था।

करोड़ों के ठगी के आरोपी भाजपा नेता ने शुरू की पोस्टरबाजी

दादरी (चेतना मंच)। नैनीताल बैंक से 26 करोड रुपए की हेरा फेरी का ठगी करने वाले भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व नगर अध्यक्ष हर्ष बंसल अब सामाजिक कार्यों में हिस्सेदारी करने में जुट गए हैं।

दादरी में लगे दुर्गा पूजा के बड़े-बड़े होर्डिंग तक नेता की करतूत को बता रहे हैं कि सेक्टर-63 नैनीताल बैंक से 26 करोड़ की हेराफेरी करने के आरोप में भाजपा नेता हर्ष बंसल को जेल भेजा गया था। लेकिन अभी उसका भाई जेल के भीतर ही है। नेताजी दुर्गा पूजा एवं यात्रा निकालने को लेकर एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं।

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व एक ओर जहां भ्रष्टाचारियों पर लगाम लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभियान चला रखा है। वहीं आरोप लगने के बाद भी हर्ष बंसल के खिलाफ पार्टी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह मुद्दा राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अक्टूबर में स्कूलों का समय न बदला जाए

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गौतमबुधनगर के जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा जिला मंत्री गजन भाटी के द्वारा जिलाधिकारी गौतमबुधनगर को पत्र द्वारा अवगत कराया गया है कि परिषदीय विद्यालयों का समय 30 सितंबर तक 8 बजे से 2 बजे तक होता है और 1अक्टूबर से विद्यालय का समय 9 बजे से 3 बजे तक रहता है। पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण छोटे-छोटे नौनिहालों को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। इसको मध्यनजर रखते हुए अनुरोध किया गया है कि विद्यालय का समय अक्टूबर माह में भी 8 बजे से 2 बजे तक का किया जाना उचित रहेगा।

प्राधिकरण कर रहा है सफाई कर्मचारियों का शोषण : गंगेश्वर

नोएडा (चेतना मंच)। कई मांगो/ समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय सेक्टर- 6, नोएडा पर आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों के चल रहे धरना प्रदर्शन में सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सीपीआई (एम) नेता भरत डेंजर, जनवादी महिला समिति के नेता रेखा चौहान ने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर उन्हें संबोधित करते हुए उनकी मांगों और आंदोलन का समर्थन किया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि संविदाकारों के माध्यम से नोएडा प्राधिकरण सफाई कर्मचारियों का शोषण कर रहा है, उन्हें जीने लायक न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया जा रहा है, जबकि साफ सफाई का कार्य स्थाई प्रवृत्ति का कार्य है और स्थाई प्रवृत्ति के कार्यों में नियम कानूनों के तहत ठेकेदारी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन सफाई कर्मचारियों के आंदोलन के साथ है। साथ ही उन्होंने जीने लायक न्यूनतम वेतन, कार्य स्थल पर सुरक्षा, ठेका श्रमिकों को पक्का करने व ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत लाखों असंगठित कामगारों के कल्याण हेतु बोर्ड का गठन व सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए एवं चार मजदूर विरोधी लेबर कोड़ों के खिलाफ 5 अक्टूबर 2024 को जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर ग्रेटर नोएडा पर प्रात: 11.00 से होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेने की अपील किया।

जेपी बिल्डर के खिलाफ निवासियों का फूटा गुस्सा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेपी बिल्डर के विरुद्ध जेपी सोसाइटी में रह रहे निवासियों का गुस्सा फूटा है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बिल्डर द्वारा नेचर पार्क में किए गए अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए थे। जेपी सोसाइटी में प्राधिकरण द्वारा अनिमितताओं की जांच पूरी होने तक किसी भी नये निर्माण कार्य पर रोक का अधिकारियों ने आश्वासन दिया था।

गौरतलब है कि 28 सितंबर को जेपी बिल्डर द्वारा जेपी सोसाइटी में स्थित 60 एकड़ के नेचर पार्क में नाजायज अतिक्रमण कर कब्जा किया जा रहा था जेपी सोसाइटी में स्थित स्टार कोर्ट क्लस्टर के अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा के नेतृत्व में निवासियों ने मौके पर पहुंचकर किए जा रहे अतिक्रमण को हटा दिया। प्राधिकरण में अतिक्रमण के बारे में सूचना दी गई प्राधिकरण ने टीम भेज कर अग्रिम आदेश तक कोई अतिक्रमण नहीं करने कोई निर्माण कार्य नहीं करने के आदेश दिए थे। इसी सिलसिले में जेपी सोसाइटी के सैकड़ो निवासी आज इकट्ठे होकर प्राधिकरण पहुंचे जहां पर बिल्डर के विरोध में नारे लगाए गए एवं जेपी बिल्डर द्वारा फ्लोर एरिया रेशों में की गई गड़बड़ियों, नाजायज निर्माण कार्यों, निवासियों से नाजायज धन वसूली, निवासियों के मेंटेनेंस डिपॉजिट को हड़पने की शिकायत को लेकर प्रार्थना पत्र दिया जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के सभा कक्ष में विस्तार से बातचीत हुई अधिकारियों ने डीजी सेट पर लगने वाली प्रदूषण नियंत्रक डिवाइस के संबंध में आ रहे खर्च को प्राधिकरण के स्थगन आदेश के बावजूद जेपी बिल्डर द्वारा वसूलने पर नाराजगी जताई और बिल्डर को हिदायत दी कि वह वसूले गए पैसे को वापस करें और जिन निवासियों से पैसे वसूलने की धमकी उसने 30 सितंबर को दी है उनके प्रीपेड मीटर से कोई पैसा नहीं काटे। साथ ही प्राधिकरण के अधिकारियों ने बिल्डर से कहा है कि जब तक जेपी सोसाइटी में सभी अनियमितताओं की जांच नहीं हो जाती तब तक कोई भी नया निर्माण नहीं होगा साथ ही नेचर पार्क में जो अतिक्रमण किया है उसे तुरंत वहां से हटाए। इस अवसर पर जेपी सोसाइटी के स्टार कोर्ट कलेक्टर की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने उपस्थित निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह निवासियों की एकता की जीत है कानून और संविधान से ऊपर कोई नहीं है सत्य को परेशान किया जा सकता है परंतु पराजित नहीं हम सब इकट्ठा हुए इसलिए जीत पाए आगे भी हम इकट्ठा रहेंगे और कोई भी नाजायज कार्य अतिक्रमण और निर्माण कार्य जेपी सोसाइटी में नहीं होने देंगे।

जेपी सोसाइटी से त्रिलोचन सिंह, मीना सिंह, आरके सिंह,अनिल, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश भाटी, देवेंद्र भाटी, आलोक सिंह, सुरेंद्र खुल्लर, मूलचंद शर्मा, नरेंद्र सिंह, विशाल चौधरी, कैप्टन बावा, वैजयंती वर्मा, अनन्या शर्मा कर्नल शर्मा, नरवीर सिरोही, आर एन गर्ग, जीएस चतुर्वेदी, एवं अन्य सैकड़ो निवासी मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

जिले में एक ही...

धार देने का काम किया। वहीं दूसरी ओर जिले के जारचा कस्बे में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की एक मात्र प्रतिमा की जर्जर हालत को दिखाते हुए अफसोस व्यक्त किया है। जिसके बाद संस्था ने जिला प्रशासन से प्रतिमा के जीर्णोद्धार की मांग उठाई है।

जय हो सामाजिक संस्था के महासचिव परमानंद कौशिक ने बताया कि संस्था दादरी क्षेत्र की तीन बड़ी समस्याओं को लेकर आंदोलनरत है। जिनमें दादरी तिराहे से लेकर सूरजपुर घंटा चौक तक रोड़ व नाले का निर्माण, दादरी में करीब 45 करोड़ की लागत से अधनिर्मित पानी की टंकियों का निर्माण कार्य पुन: प्रारंभ कराने एवं जीटी रोड़ पर नाले व सर्विस रोड़ का निर्माण किए जाने तक बंद किए गए कटों को खोले जाने संबंधित मांगे शामिल हैं। जिन्हें लेकर संस्था के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर दादरी तहसील परिसर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक मौन उपवास करने जा रहे हैं। जिसके तहत लोगों को जागरूक करने के उददेश्य से संस्था के कार्यकर्ता मंगलवार सुबह संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर वत्स एवं संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में जारचा पहुंचे। जहां सभी के द्वारा जिले की एक मात्र गांधी प्रतिमा पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान संगठन के लोगों ने जिला प्रशासन की अनदेखी के चलते जिले में एक मात्र राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा की हो रही उपेक्षा पर अफसोस जताया। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने प्रण लिया कि जिला प्रशासन के सहयोग से महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि से पूर्व हर हाल में प्रतिमा का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यकरण कराया जाएगा। इस अवसर पर लोगों को जागरूक करते हुए सभी से मौन उपवास आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील भी की गई।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष प्रमोद शर्मा एडवोकेट, जय हो के जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा, सुनील कश्यप, प्रमोद शर्मा सैंथली, मोहन शर्मा, पुष्प शर्मा एडवोकेट आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

गौड़ सिटी के फ्लैट...

ये सब बिल्डर की लापरवाही है। सोसाइटी के एक निवासी ने बताया कि कई बार बिल्डर से शिकायत की है कि बिल्डिंग में सीलन आ चुकी है। निवासी ने बताया कि यह एक बहुत ही बड़ा खतरा है जो सभी सोसाइटी के निवासियों के ऊपर मंडरा रहा है सभी लोगों को डर लगा रहता है कि कही उनके ऊपर प्लास्टर न गिर जाए।

सोसाइटी के एक निवासी ने बताया कि शहर में जितनी भी बिल्डिंग है यह बाहर से देखने में जितना अच्छी लगती है अंदर से उतनी ही कमजोर हैं। आए दिन किसी न किसी सोसाइटी में कोई हादसा होता रहता है ।कभी बालकनी का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी अंदर रूम का।

बिल्डिंग कमज़ोर और जर्जर हो चुकी है। हाल ही में नोएडा के सेक्टर-119 में स्थित गौड़ ग्रैंड्योर सोसाइटी में स्ट्रक्चर ऑडिट कराया गया। स्ट्रक्चरल ऑडिट में सोसाइटी के बेसमेंट के पिलर 50 प्रतिशत तक कमजोर निकले। निवासियों ने बताया कि यह बिल्डर की बड़ी लापरवाही है। सोसाइटी के निवासियों ने बिल्डर के खिलाफ एक्शन की मांग की है।

ई-रिक्शा लूटने...

स्कूटी पर तीन लोग आते हुए पुलिस को दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रूकने का इशारा किया तो स्कूटी पर बैठे एक व्यक्ति ने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश के गोली लगते ही स्कूटी पर बैठे दो बदमाश भागने लगे। पुलिस ने दोनों बदमाशों को घेर कर पकड़ लिया। पूछताछ में गिरफ्तार किए गए बदमाशों ने अपने नाम मनीष, विशाल व सुमित बताए हैं।

उन्होंने बताया कि मनीष मूल रूप से कानपुर देहात का रहने वाला है। जबकि विशाल और सुमित एनटीपीसी बदरपुर दिल्ली की झुग्गियों में रहते हैं। गिरफ्तार बदमाशों ने बताया कि तीन दिन पहले उन्होंने एक स्कूटी लूटी थी और उन्होंने वह स्कूटी लूटने के बाद छुपा रखी है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

कार्यालय-नगर पालिका परिषद दादरी, जनपद-गौतमबुद्धनगर

पत्रांक : 1606 /न0पा0परि0दा0 / ई0नि0सू0 / 2024-25 **दिनांक : 30 सितम्बर 2024**

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद्, दादरी क्षेत्रान्तर्गत राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से शीतलहर के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने हेतु जलौनी लकड़ी आपूर्ति कार्य हेतु ई0-निविदा आमंत्रित की जाती है। इस हेतु ई-निविदा दिनांक:-01.10.2024 से दिनांक :- 21.10.2024 तक ऑनलाइन वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर प्रात: 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती हैं। ई-निविदा के सम्बन्ध में निविदादाता कार्यलिय समय में किसी भी कार्य दिवस में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त कार्यों की निविदा दिनांक :-22.10.2024 अपराहन 12.30 बजे खोली जायेगी। जिसे सम्बन्धित वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता है।

किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। निविदा शुल्क एवं जमानत धनराशि आर0टी0जी0एस0/ एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से नगर पालिका परिषद दादरी के खाता संख्या 50100065525653 एच0डी0एफ0सी0 बैंक शाखा दादरी IFSC Code-HDFC0000927 में जमा करायी जायेगी, ज़िसकी मूल प्रति सम्बन्धित ठेकेदारों द्वारा टेण्डर अपलोड करते समय अपलोड को जायेगी। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्य से सम्बन्धित नियम व शर्ते कार्यालय नगर पालिका परिषद दादरी में किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में देखा जा सकता हैं।

उमेश शर्मा	जयपाल सिंह	शालिनी गुप्ता	गीता शर्मा
लिपिक लेखा विभाग	अवर अभियन्ता (सिविल)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,	नगर पालिका परिषद,	नगर पालिका परिषद,	नगर पालिका परिषद,
दादरी (गौतमबुद्धनगर)	दादरी (गौतमबुद्धनगर	दादरी (गौतमबुद्धनगर)	दादरी (गौतमबुद्धनगर)

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

हिंदुस्तान जिंक की वेदांता ज़िंक सिटी हाफमैराथन को अभूतपूर्व सफलता

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा रन फॉर जीरो हंगर के उद्धेश्य से आयोजित हिन्दुस्तान ज़िंक की वेदांता ज़िंक सिटी हॉफ मैराथन अभूतपूर्व सफ्लता के साथ आयोजित हुई। भारत की सबसे खूबसूरत एवं एआईएमएस द्वारा प्रमाणित वेदांता जिंक सिटी हाफमैराथन के साथ उदयपुर में रविवार की सुबह उत्साह और उमंग से भरपूर थी। अल सवेरे जब इस मैराथन में शामिल होने वाले धावकों का जन समूह इसके उद्गम स्थल फिल्ड क्लब के लिए निकला तो शहर में हर तरफदौड़ की ही चर्चा थी। हजारों की संख्या में इस मैराथन में भाग लेने वालों के उल्लास ने जिंक सिटी उदयपुर में आयोजित इस दौड और शहर को वैश्विक दौड़ के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया। मैराथन में विश्व के एथलीट, भारतीय शीर्ष धावकों और दौड के शौकिन लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मैराथन को उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत, विधायक उदयपुर शहर ताराचंद जैन,विधायक उदयपुर ग्रामीण फूल सिंह मीणा, पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज राजेश मीणा, आयुक्त नगर निगम उदयपुरराम प्रकाश, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर-पश्चिम रेलवे शशि किरण, आयुक्त उदयपुर विकास प्राधिकरणराहुल जैन, आरटीओ उदयपुर नेमीचंद पारेख, हिन्दुस्तान ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा, सचिव फील्ड क्लब उदयपुर उमेश मनवानी एवं संस्थापक एनीबडी कैन रन डॉ. मनोज सोनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतिभागियों ने फ्तेह सागर झील की सुकून भरी सुबह और अरावली पर्वतमाला के सौंदर्य के साथ इस दौड़ का आनंद लिया जिसका मार्ग महाराणा प्रताप स्मारक, नीमच माता मंदिर पहाड़ी और हरे-भरे बगीचों की सुंदरता से परिपूर्ण था। मैराथन ने उदयपुर की समृद्ध ज़िंक की विरासत को पुनःस्मरण किया जो कि 2,500 से अधिक वर्षों से शहर के इतिहास के साथ जुड़ी हुई है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी पहलों को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों और हाउसिंग सोसाइटी के लिए शून्य कॉस्ट ईएमआई पेश की

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसइ- 511700), एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जिसने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए एक नई फंडिंग योजना शुरू की है। यह योजना कंपनियों को ग्रीन ऊर्जा समाधान अपनाने में मदद करेगी, जिससे ऊर्जा का उपयोग और भी टिकाऊ और किफायती हो सके। भारत की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रयासों के अनुरूप, स्टैंडर्ड कैपिटल का फंडिंग उन परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करेगा जो सौर पैनल और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित करते हैं। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, 2023 तक 68 गीगावॉट से अधिक सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। यह प्रयास देश के 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के बड़े लक्ष्य का हिस्सा है। इस पहल का मुख्य आकर्षण शैक्षणिक संस्थानों और हाउसिंग सोसाइटी के लिए बनाया गया शून्य लागत ईएमआई वित्तपोषण योजना है, जो हरित ऊर्जा समाधान अपनाने को और अधिक सुगम और सस्ती बनाता है। शून्य लागत ईएमआई योजना एक अनूठी, ब्याज-मुक्त पुनर्भुगतान संरचना प्रदान करती है, जिससे संस्थानों पर वित्तीय बोझ कम होता है और टिकाऊ ऊर्जा के व्यापक उपयोग को सक्षम बनाया जाता है। इस सेवा के द्वारा, स्टैंडर्ड कैपिटल शैक्षणिक और आवासीय क्षेत्रों में ग्रीन ऊर्जा आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पहल के तहत प्रत्येक परियोजना का आकार 50 लाख रुपये रखा गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कंपनियां टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आवश्यक संसाधनों तक पहुँच प्राप्त कर सकें। इस पहल के हिस्से के रूप में, क्विकटच ने पहले से ही शैक्षणिक संस्थानों में सौर पैनल स्थापित करने की योजना की घोषणा की है गौरव जिंदल, क्विकटच एमडी का कहना है - 'यह पहल कंपनियों को उनके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए सशक्त बनाएगी, जिससे एक ग्रीन अर्थव्यवस्था में योगदान होगा और राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्यों के साथ समन्वय होगा'

इंस्टाग्राम से सावधान! शॉपिंग करने पर लग सकता है शॉक

पैसा लेकर रफूचक्कर होने वाले सेलर हुए ऐक्टिव

नईदिल्ली, एजेंसी। फेस्टिवल सीजन शुरू हो चुका है। ई-कॉमर्स कंपनियों पर ऑफर्स की बहार आई हुई है। वहीं काफी सेलर ऐसे भी हैं जो इंस्टाग्राम के जरिए अपने प्रोडक्ट बेचते हैं। चूंकि इंस्टाग्राम पर युवाओं की संख्या ज्यादा है और काफी युवा इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भी खरीदारी करना पसंद करते हैं। वहीं इसका फायदा उठाकर इस प्लेटफॉर्म पर काफी ठग भी आ गए हैं। ये किसी प्रोडक्ट को बेहद कम कीमत पर देने का दावा करते हैं। कस्टमर से पैसा लेने के बाद ये गायब हो जाते हैं।

समझें - कैसे हो जाते हैं रफूचक्कर

नोएडा के रहने वाले रोहित (बदला हुआ नाम) को एक दिन एक डेकोरेटिव प्रोडक्ट इंस्टाग्राम पर काफी सस्ता दिखाई दिया। वह प्रोडक्ट बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर करीब दो हजार रुपये का था, जबकि इंस्टाग्राम पर मौजूद एक प्लेटफॉर्म पर वह करीब 350 रुपये में बिकता दिखाई दिया। रोहित ने वहां दिए लिंक पर क्लिक किया। इसके बाद एक वेबसाइट खुली। यह देखने में ई-कॉमर्स वेबसाइट जैसी ही दिखाई दे रही थी। सारी जानकारी (नाम, फोन नंबर, पता) देने के बाद ऑनलाइन पेमेंट भी कर दिया।

पेमेंट करने के बाद मोबाइल पर मेसेज आया। इसमें लिखा था प्रोडक्ट बुक हो गया है। इसे पहुंचने में 8 से 10 दिन का समय लगेगा। यहां बुकिंग आईडी भी दी गई थी। रोहित को कोई जल्दी भी नहीं थी। करीब 8 दिन बाद फिर एक और मेसेज आया। इसमें लिखा था कि तकनीकी कारणों से डिलीवरी में करीब एक हफ्ते की और देरी हो सकती है। जब रोहित उस वेबसाइट पर गए तो वहां उन्होंने कंपनी का फोन नंबर खोजा। वह कहीं नहीं मिला। वहां कोई ईमेल आईडी भी नहीं थी।

एक हफ्ते इंतजार के बाद भी वह प्रोडक्ट डिलीवर नहीं हुआ। इस दौरान उस प्रोडक्ट का विज्ञापन उनके इंस्टाग्राम पर बार-बार दिखाई देता रहा। रोहित के पास इंतजार के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। कुछ दिनों बाद वह विज्ञापन दिखाई देना बंद हो गया। रोहित फिर से उस वेबसाइट पर गए तो वह खुली ही नहीं। रोहित को समझते देर नहीं लगी कि उनके साथ फ्रॉड हो गया है।

स्पॉन्सर्ड विज्ञापन से रिझाते हैं

इंस्टाग्राम पर काफी ऐसे अकाउंट हैं जो अपने प्रोडक्ट बेचते हैं। इसमें काफी सही हैं तो कुछ फ्रॉड हैं। ये इंस्टाग्राम को पैसे लेकर अपने अकाउंट का प्रमोशन करते हैं। यानी बाकी कंपनियों की तरह ये भी स्पॉन्सर्ड होते हैं। यहां कस्टमर को सस्ते प्रोडक्ट का लालच दिया जाता है। यहां प्रोडक्ट दूसरे प्लेटफॉर्म के मुकाबले बेहद सस्ते मिलते हैं। कई बार तो 90 फीसदी से ज्यादा का ऑफर देते हैं। सस्ते के लालच में ग्राहक इनकी ओर खींचे चले जाते हैं।

लोग क्यों नहीं करते शिकायत

दरअसल, ज्यादातर ऐसे ठग 500 रुपये से कम कीमत के सामान बेचते हैं। इतनी कम कीमत के सामान को ज्यादातर ग्राहक खरीदने से कतराते भी नहीं हैं। जब उन्हें वह प्रोडक्ट नहीं मिलता तो वे इतने कम पैसों के लिए पुलिस आदि जगह शिकायत करने से बचते हैं। पुलिस में शिकायत करना उन्हें झंझट लगता है। ऐसे में वे 500 रुपये या इससे कम रकम को लेकर किसी झंझट में पड़ने से बचते हैं। यही कारण है कि ऐसे ठग सेलर पकड़ में नहीं आते।

2027 तक भारत बन सकता है कंज्यूमर ड्यूरेबल का चौथा सबसे बड़ा बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी। उद्योग मंडल सीआईआई ने सोमवार को कहा कि भारत का कंज्यूमर ड्यूरेबल बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा और 2027 तक यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सतत वस्तुओं पर भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन बी. त्यागराजन ने कहा कि हालांकि देश के उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन एक मजबूत परिवेश का निर्माण करना और क्षेत्र में मानकीकरण को अपनाना तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को पहुंचाना भी जरूरी है।

'सीआईआई कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्यूरेबल्स समिट' 2024 में त्यागराजन ने कहा कि अगले दशक में इस क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला में कई अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है। त्यागराजन ब्लू स्टार लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा, ''तैयार माल के साथ-साथ स्वदेशी घटक परिवेश के विकास से लेकर घरेलू स्तर पर सही तरीके से ध्यान देने तक, भारत के वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की संभावनाएं काफी प्रबल हैं।''

त्यागराजन ने कहा, ''भारत पहले से ही दुनिया में उपभोक्ता सतत वस्तुओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ता प्रमुख बाजार है और 2027 तक इसके चौथा सबसे बड़ा बाजार बनने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2029-30 तक बाजार का अनुमानित आकार पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।'' उन्होंने प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और भारत को आत्मनिर्भर तथा प्रौद्योगिकी रूप से उन्नत वैश्विक खिलाड़ी बनाने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न पहलों के जरिये इस क्षेत्र को सरकार से मिल रहे समर्थन की सराहना भी की।

त्यागराजन ने कहा, ''हम जो गति देख रहे हैं, वह स्पष्ट संकेत है कि भारत वैश्विक विनिर्माण मंच के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। हम देश के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत योगदान करने के विनिर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और 8.5 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन के साथ प्रगति निर्विवाद है। मिसाल के तौर पर एयर कंडीशनिंग क्षेत्र के 2040 तक दुनिया में सबसे बड़ा बनने की उम्मीद है।''

गुणवत्ता के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''गुणवत्ता परिवेश को मजबूत करने से उत्पादों में उपभोक्ता का विश्वास बढ़ता है, इसलिए एक मजबूत गुणवत्ता परिवेश का निर्माण करना और क्षेत्र में मानकीकरण को अपनाना तथा प्रधानमंत्री तथा भारत सरकार की परिकल्पना के तहत वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों का पहुंचाना भी अनिवार्य है।'' त्यागराजन ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को अपनाकर और बढ़ावा देकर हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे उत्पाद दुनिया भर के उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं पर खरे उतरें।''

त्योहारी सीजन: नो-कॉस्ट ईएमआई पर सामान खरीदने से पहले रखें ध्यान, विक्रेता आकर्षक ऑफर देने को तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन की शुरुआत होने वाली है। खुदरा विक्रेता आकर्षक ऑफर और अन्य प्रकार की छूट देने की तैयारी कर रहे हैं। खरीदारी त्योहारों का अहम हिस्सा है, जिसके लिए नो-कॉस्ट ईएमआई लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरा है। नो-कॉस्ट ईएमआई विशेष तौर पर त्योहारी सीजन में उपयोगी होता है, जब लोग घरों का नवीनीकरण कराना चाहते हैं या इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर जैसी अधिक मूल्य वाली वस्तुएं खरीदना चाहते हैं। यह सुविधा ग्राहकों को किसी उत्पाद की कुल लागत को बिना अतिरिक्त ब्याज का भुगतान किए एक निर्धारित अवधि के लिए आसान किस्तों में बांटकर बड़ी खरीदारी का विकल्प देती है। आप भी त्योहारों में नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठाना चाहते हैं, तो कुछ बातें जरूर जाननी चाहिए।

भुगतान को अधिकतम 24 माह की मोहलत

नो-कॉस्ट ईएमआई या शून्य-ब्याज ईएमआई एक पुनर्भुगतान सुविधा है। यह आपकी बड़ी खरीदारी पर खर्च होने वाली रकम को 24 महीने तक की अवधि के लिए कई ब्याज मुक्त किस्तों में बांट देती है।

आप 48,000 रुपये में स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं, लेकिन पूरा भुगतान एक साथ नहीं करना चाहते हैं, तो 12 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प चुन सकते हैं। यानी बिना किसी ब्याज के 4,000 की मासिक ईएमआई पर स्मार्टफोन खरीद सकते हैं।

लागू रहता है सालाना ब्याज

आप जब नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प चुनते हैं तो किस्त भुगतान पर कोई अतिरिक्त ब्याज नहीं लिया जाता है। हालांकि,विक्रेता की ओर से ब्याज माफ नहीं किया जाता है,बल्कि छूट के रूप में पेश किया जाता है। इसके अलावा, कर्जदाता की ओर से एक वार्षिक ब्याज दर लागू रहती है, जिसका वहन विक्रेता करता है। इसलिए, बिना ब्याज के होने के बावजूद अन्य खर्च और शर्तें हैं,जिनके बारे में नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प चुनते समय पता होना जरूरी है।

ऐसे समझें फायदे और नुकसान का गणित

नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प चुनने पर विक्रेता छूट के रूप में ब्याज माफ कर सकता है,फिर भी इसमें प्रोसेसिंग शुल्क शामिल हो सकता है। यह आमतौर पर खरीदारी राशि का करीब 2-3 फीसदी होता है। इस शुल्क पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। उदाहरण के लिए,अगर आप 20,000 रुपये की कीमत का टेलीविजन खरीदते हैं तो विक्रेता अग्रिम भुगतान पर 10 फीसदी की छूट दे सकता है,जिससे इसके दाम घटकर 18,000 रुपये हो जाएंगे। आप नो-कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं,तो यह छूट नहीं मिलेगी और किस्तों में पूरे 20,000 का भुगतान करना होगा। साथ ही,प्रोसेसिंग शुल्क पर 18 फीसदी जीएसटी भी देना होगा।

फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज 2024 के 11वें संस्करण की शुरुआत

33 करोड़ से ज्यादा यूज़र्स के साथ फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज 2024 ने की भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने बहुप्रतीक्षित द बिग बिलियन डेज (टीबीबीडी) 2024 के 11वें संस्करण की शुरुआत कर दी है। फ्लिपकार्ट वीआईपी और प्लस ग्राहकों के लिए 26 सितंबर को अर्ली एक्सेस (एक दिन पहले) के साथ 27 सितंबर से सभी ग्राहकों के लिए टीबीबीडी की शुरुआत हो गई है। अर्ली एक्सेस डे और पहले दिन कुल मिलाकर 33 करोड़ से ज्यादा यूजर विजिट्स देखने को मिले, जो देशभर के खरीदारों के त्योहारी उत्साह को दिखाता है। मोबाइल, फूड एंड न्यूट्रिशन और ग्रूमिंग कैटेगरी में बढ़ती मांग के साथ शुरुआती ट्रेंड्स आगे जबर्दस्त त्योहारी सीजन का संकेत दे रहे हैं।

द बिग बिलियन डेज के 11वें संस्करण के मौके पर फ्लिपकार्ट के वाइस प्रेसिडेंट ग्रोथ हर्ष चौधरी ने कहा, 'हर साल भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत द बिग बिलियन डेज के साथ होती है, जो पूरे इकोसिस्टम को साथ लाता है। यह सिर्फएक शॉपिंग फेस्टिवल नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर विकास, नवाचार एवं गठजोड़ को बढ़ावा देने का अवसर है, साथ ही विभिन्न वर्गों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। फ्लिपकार्ट ने भारत में डिजीटलीकरण के सफर को सक्षम बनाया है और द बिग बिलियन डेज की इसमें अहम भूमिका रही है। ग्राहकों एवं इकोसिस्टम पार्टनर्स के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाते हुए हम सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं, साथ ही ग्राहकों की संतुष्टि एवं कारोबारी सफ्लता के नए मानक स्थापित कर रहे हैं। शुरुआती ट्रेंड्स ऐसी श्रेणियों में बढ़ती मांग की ओर संकेत कर रहे हैं, जिनसे लाइफस्टाइल अपग्रेड में मदद मिलती है। इस साल त्योहारी सीजन में टियर 2 शहरों से भी मांग में तेज वृद्धि देखने को मिली है। फ्लिपकार्ट में हम हर किसी को इस सफर के लिए सशक्त करते हुए डिजिटल इकोनॉमी में संभावनाओं के लगातार नए मानक बनाने में विश्वास रखते हैं।'

शुरुआती ट्रेंड्स से इस त्योहारी सीजन में भारतीय लोगों की प्राथमिकता का मिल रहा है संकेत टीबीबीडी 2024 के शुरुआती ट्रेंड्स ग्राहकों का जबर्दस्त उत्साह दिखा रहे हैं। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्ज अप्लायंसेज, फैशन, ब्यूटी एवं होम प्रोडक्ट्स जैसी कैटेगरी में ग्राहकों के बीच सबसे ज्यादा मांग देखने को मिली। एक ओर जहां नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरुजैसे मेट्रो शहरों में टीबीबीडी के पहले 24 घंटों में ग्राहकों की तरफ से मांग में वृद्धि देखने को मिली, वहीं मेदिनीपुर, हिसार, बरहामपुर, बांकुरा और अगरतला जैसे छोटे शहरों से भी जबर्दस्त मांग दर्ज की गई है। एथनिक वियर, वेस्टर्न वियर, स्पोर्ट्स फुटवियर, कैजुअल फुटवियर एवं फॉर्मल फुटवियर जैसे प्रोडक्ट्स की शॉपिंग करते हुए ग्राहक अपनी लाइफस्टाइल को अपग्रेड कर रहे हैं। बिग बिलियन डेज के अर्ली एक्सेस डे पर और पहले दिन इन कैटेगरी में ज्यादा मांग देखने को मिली है।

ऑन-एप एक्सपीरियंस से बढ़ा है ग्राहकों का जुड़ाव ब्रांड मॉल, फ्लिपइन ट्रेंड्स और स्पॉयल जैसे एंगेजिंग फीचर्स के माध्यम से फ्लिपकार्ट विभिन्न ग्राहकों को जोड़ रहा है और पर्सनलाइज्ड एवं ट्रेंड आधारित शॉपिंग एक्सपीरियंस दे रहा है, जिसमें इसके बड़े यूजर बेस की अलग-अलग प्राथमिकताओं और जरूरतों की झलक दिखती है। जेन जेड पीढ़ी के पसंदीदा ट्रेंड्स में बैगी बॉटम एवं जीन्स, ब्लॉक प्रिंट कुर्ता, डेम्यूर ड्रेसेज, रेट्रो रनर्स, यूटिलिटी कार्गो, मल्टी पॉकेट शर्ट, को-ऑर्ड सेट एवं जापानीज स्टाइल टी-शर्ट्स शामिल हैं। वैल्यू फॉर ऑल फ्लिपकार्ट के हाइपरवैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी पर ग्राहकों की विजिट 70 प्रतिशत बढ़ी है

सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाई

आखिरी तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्टूबर की गई

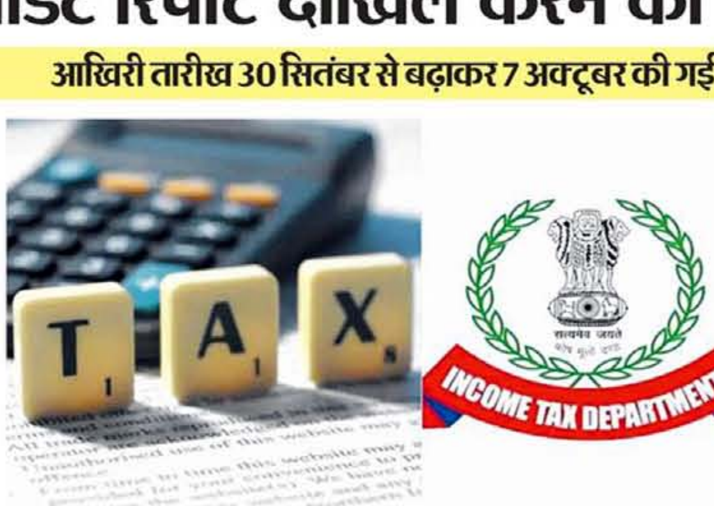

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय सीमा बढ़ा दी है। सीबीडीटी की ओर से रविवार को जारी एक परिपत्र (सं. 10/2024, संदर्भ 225/205/2024-आईटीए-) के अनुसार , इन रिपोर्टों को दाखिल करने की समय सीमा इस वर्ष 30 सितंबर से बढ़ाकर 7 अक्तूबर कर दी गई है।

सीबीडीटी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पिछले वर्ष 2023-24 के लिए ऑडिट की विभिन्न रिपोर्ट दाखिल करने की तिथि को बढ़ाने का फैसला किया है। अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (ए) में संदर्भित करदाताओं के के लिए ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर, 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 07 अक्तूबर 2024 कर दिया गया है।

सर्कुलर के अनुसार, यह निर्णय सीबीआईटी द्वारा करदाताओं और अन्य हितधारकों द्वारा आवश्यक रिपोर्ट इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत करने में आने वाली चुनौतियों पर विचार करने के बाद आया है। कई व्यक्तियों और संगठनों को आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के तहत ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की मूल समय सीमा को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

सीबीआईटी ने आयकर अधिनियम की धारा 119 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए यह विस्तार देने का फैसला किया। यह अधिनियम की धारा 139 की उप-धारा (1) के स्पष्टीकरण 2 के खंड (ए) के तहत कवर किए गए करदाताओं पर लागू होता है। यह खंड करदाताओं की विशिष्ट श्रेणियों को संदर्भित करता है, जिन्हें मूल्यांकन वर्ष के लिए ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करना आवश्यक है।

ऑडिट दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ने से करदाताओं को अपनी इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। अब वे अनावश्यक दबाव या दंड का सामना किए बिना नियमों का पालन कर सकते हैं। सीबीडीटी ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे इस विस्तारित समय सीमा का अधिकतम लाभ उठाएं और 7 अक्तूबर 2024 की नई नियत तारीख तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट समय पर जमा करना सुनिश्चित करें।

एफआईआई सेंट कैपिटल फंड, एजी डायनेमिक फंड्स व अन्य ने एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई, एजेंसी। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड (एनएसई- एमओएस) लीडिंग फिनटेक कंपनियों में से एक है, जो व्यवसायों और व्यक्तियों को अनेक प्रकार की फिनटेक और यूटिलिटी पेमेंट सॉल्यूशंस सर्विसेज़ देती है। कस्टमर-सेंट्रिक अप्रोच के साथ एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड सीमलेस और सिक्योर फिनटेक सॉल्यूशंस देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पहुंच को बढ़ाने के साथ फाइनेंशियल इंक्लूजन को बढ़ावा देता है। एनएसई पर उपलब्ध बल्क डील्स के डेटा के अनुसार, एफआईआई सेंट कैपिटल फंड, एजी डायनेमिक फंड्स लिमिटेड, मिनर्वा वेंचर्स फंड, नेक्सपैक्ट लिमिटेड और ब्रिज इंडिया फंड ने 26 सितंबर 2024 को एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी है। सेंट कैपिटल फंड ने 15,40,000 शेयर्स, एजी डायनेमिक फंड्स ने 2,69,600 शेयर्स, जबकि ब्रिज इंडिया फंड ने 5,49,600 शेयर्स हिस्सेदारी खरीदी है। एमओएस के पास भारत में प्रतिष्ठित विशाल कॉर्पोरेशंस के साथ समृद्ध और विविध अनुभव है, एमओएस विभिन्न बिज़नेसेस वेब और ऐप बेस्ड बैंकिंग / ट्रैवल / यूटिलिटी सर्विसेज़ आदि का समूह है। फाइनेंशियल इंक्लूजन के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए एमओएस ने प्रसिद्ध अभिनेता श्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ सहयोग किया है। इस स्ट्रेटिजिक कोलैबोरेशन के द्वारा, एमओएस का लक्ष्य अपनी फाइनेंशियल सर्विसेज़ की सुविधा और पहुंच को उजागर करना है, यह प्रदर्शित करना है कि वे पूरे भारत में व्यक्तियों की विविध आवश्यकताओं को कैसे पूरा करते हैं। श्री सिद्दीकी का भरोसेमंद और विनम्र व्यक्तित्व एमओएस के कस्टमर-सेंट्रिक अप्रोच के साथ सहजता से मेल खाता है, जो जनता के बीच रेज़नेट होता है। शहरी और ग्रामीण भारत में फैले अपने विशाल प्रशंसकों का लाभ उठाकर, एमओएस का उद्देश्य फाइनेंशियल विभाजन को पाटना, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देना है। एसोसिएशन श्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी को विभिन्न ब्रांडिंग कैंपेन्स में शामिल करेगा, जो एमओएस की व्यापक सेवाओं को प्रदर्शित करेगा, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके फॉलोअर्स और व्यापक फेन बेस का लाभ उठाएगा। श्री नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एमओएस का यह सहयोग ब्रांड पहचान को बढ़ाना और नए ग्राहकों तथा बॉलीवुड प्रशंसकों को आकर्षित करना चाहता है।

खास खबर

कार्ल्स कुआड्राट ने ईस्ट बंगाल के मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । कार्ल्स कुआड्राट ने ईस्ट बंगाल के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया, क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी घोषणा की। बिनो जॉर्ज अंतरिम मुख्य कोच के रूप में काम करेंगे, ईस्ट बंगाल स्थायी मुख्य कोच के रूप में स्पैनियार्ड की जगह लेने के लिए किसी की तलाश कर रहे हैं। क्लब ने कहा कि वह उचित समय पर और घोषणाएँ करेगा। कुआड्राट ने इस साल की शुरूआत में जनवरी में रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को सुपर कप खिताब दिलाकर ईस्ट बंगाल के 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। उन्होंने पिछले साल के डूरंड कप में भी टीम को उपविजेता बनाया था। ईस्ट बंगाल ने अपने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की शुरूआत बेंगलुरु एफसी, केरला ब्लास्टर्स और एफसी गोवा के खिलाफ लगातार तीन हार के साथ की थी। यह 2020-21 में अपने उद्घाटन सत्र के बाद से आईएसएल अभियान में रेड एंड गोल्ड्स की सबसे खराब शुरूआत है, जहां यह नौवें स्थान पर रहा। ईस्ट बंगाल की एफसी गोवा के खिलाफ आखिरी हार के बाद, जो एक घरेलू मैच में हुई थी, साल्ट लेक स्टेडियम के स्टैंड से स्पेनिश रणनीतिज्ञ के लिए 'गो बैक कार्ल्स!' के जोरदार नारे लगाए गए थे।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

कानपुर । भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कए अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। जडेजा मैच के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले एशियाई क्रिकेटर बन गए। जडेजा ने जैसे ही बांग्लादेश के बल्लेबाज खालिद अहमद को अपनी ही गेंद पर कैच किया उनके 300 विकेट पूरे हो गये। इससे पहले उनके नाम 299 विकेट थे। जडेजा ने 73 मैचों में 299 विकेट लिए थे। उन्होंने 13 बार 5 विकेट भी लिए हैं जबकि दो बार मैच में 10 विकेट लिए थे। टेस्ट की एक पारी में उनके नाम 13 बार चार विकेट का रिकार्ड है। वहीं जडेजा कुल मिलाकर देखा जाये तो सबसे तेजी से ये आंकड़ा हासिल करने वाले विश्व के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउडर इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैचों में 300 विकेट और 3000 रन पूरे किए थे।

बूमराह की गेंद पर बोल्ड हुए मुशफिकुर

कानपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम को साफ बोल्ड कर दिया। बुमराह की यह गेंद इतनी कठिन थी कि मुशफिकुर हिल भी नहीं पाये और और उनका विकेट निकल गया। इस तरह भारतीय टीम को पारी का चौथा विकेट मिला। मुशफिकुर को लगा कि गेंद पैड के करीब से निकल जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ और वह सीधे विकेटों पर जा लगी। इस मैच में पहले दिन केवल 35 ओवर हुए थे जबकि दूसरे और तीसरे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हुआ। वहीं चौथे दिन बांग्लादेश ने 107 रनों से अपनी पारी को आगे बढाया पर पहले ही सेशन में बुमराह ने विकेट लेकर भारतीय टीम इंडिया को पहली सफलता दिलायी। इससे पहले टीम इंडिया के लिए आकाश दीप सिंह ने दो और आर अश्विन ने एक विकेट लिया था।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाज पर लगा जुर्माना

पेरु । भारतीय निशानेबाज उमेश चौधरी पर आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप में तय समय से देरी से पहुंचने के कारण जुमार्ना लगाया गया है। इससे उमेश के हाथ से स्वर्य पदक निकल गया। उमेश 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल के लिए अभ्यास क्षेत्र में देर से पहुंचे थे। इस कारण उनपर दो अंक का जुमार्ना लगाया गया जिससे वह पदक हासिल नहीं कर पाये। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने इस भारतीय निशानेबाज पर नियम 6.17.1.3 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए ।

140 ओलंपिक व पैरालंपिक एथलीट एक साथ एक मंच पर आए

एजेंसी

मुंबई । नीता अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस फाउंडेशन ने रविवार शाम को यूनाइटेड इन ट्रायम्फकार्यक्रम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम नीता अंबानी के निवास-स्थान, मुंबई के एंटीलिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नीता अंबानी ने कहाः यह वास्तव में ऐतिहासिक क्षण है। पिछले दो महीनों में, हमारे ओलंपियन और पैरालंपियन गर्व से दुनिया भर में तिरंगा फहरा रहे हैं! पहली बार, वे सभी एक ही छत के नीचे हैं। पहली बार 140 से ज्यादा ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीट एक ही मंच पर एक साथ आए हैं। जीत में एकजुट, जश्न में एकजुट और खेल की समावेशी भावना में एकजुट। श्रीमती अंबानी ने खेलों के कायाकल्प करने की ताकत के बारे में भी बात की। उन्होंने ओलंपिक में भारत की महिला एथलीटों के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ह्लउनकी सफलताएँ और भी खास हैं क्योंकि पेशेवर खेल को आगे बढ़ाने में महिलाओं को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सिर्फ. आर्थिक चुनौतियाँ ही नहीं, बल्कि अपने परिवार से अनुमति लेना, या प्रशिक्षण के लिए सुविधाएँ ढूँढना, फिजियो और पुनर्वास केंद्रों तक पहुँचना, यहां तक की कोच तक पहुँचने के लिए भी उन्हें अपने गाँव से दूर जाना पड़ता है। लड़कियों के लिए खेलों में पहचान बनाना एक लंबी और कठिन यात्रा है। इसके बावजूद, हमारी महिला एथलीट्स सफलता के शिखर पर पहुँच गई हैं। वे एक मजबूत संदेश दे रही हैं झ एक संदेश कि वे अजेय हैं और उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है! वहीं, आकाश अंबानी ने खिलाड़ियों की उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद करते हुए कहा, ह्लपूरे रिलायंस परिवार की ओर से आपका धन्यवाद। मैं अपनी माँ नीता अंबानी को भी, इस शाम के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा। रिलायंस फाउंडेशन में होने वाले हर काम की तरह, ह्ययूनाइटेड इन ट्रायम्फ, भी उन्हीं के विजन का परिणाम है। विभिन्न खेल क्षेत्रों से आए एथलीटों को उनकी कड़ी मेहनत, जुनून और ओलंपिक और पैरालिंपिक दोनों में भारत को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने के लिए सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों में नीरज चोपड़ा, मनु भाकर और भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर जैसे ओलंपिक और पैरालिंपिक पदक विजेता शामिल थे। दो पैरालिंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय और भारतीय पैरालिंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया भी कार्यक्रम में मौजूद थे। साथ ही सुमित अंतिल, नितेश कुमार, हरविंदर सिंह, धर्मबीर नैन, नवदीप सिंह और प्रवीण कुमार ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इन सभी ने पेरिस 2024 पैरालिंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इस कार्यक्रम में प्रीति पाल, मोना अग्रवाल, सिमरन शर्मा, दीप्ति जीवनजी और सरबजोत सिंह, स्वप्निल कुसाले और अमन सेहरावत जैसे ओलंपियन सहित कई अन्य दिग्गज एथलीट भी शामिल हुए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पीआर श्रीजेश ने किया, जो पेरिस में पदक जीतने वाली टीम के सदस्य थे। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और 14 साल की उम्र में भारत के दल के सबसे कम उम्र के सदस्य धीनिधि देसिंघु भी मौजूद रहे। उनकी उपलब्धियों ने न केवल देश को गौरव दिलाया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। समारोह में दीपा मलिक, सानिया मिर्जा, कर्णम मल्लेश्वरी और पुलेला गोपीचंद जैसे स्पोर्ट्स दिग्गज भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों और उत्कृष्टता से अनगिनत युवाओं को प्रेरित किया है। बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह और कार्तिक आर्यन, जिन्होंने 83 और चंदू चैंपियन जैसी खेल-केंद्रित फिल्मों में अभिनय किया, वे भी भारत के खेल नायकों के प्रति अपना समर्थन दिखाने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। देवेंद्र झाझरिया, सुमित अंतिल और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्य प्रशिक्षक-सत्यनारायण ने समानता और एकता के प्रतीक पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की मशाल श्रीमती नीता अंबानी को भेंट की। मशाल भारत में खेलों को और अधिक समावेशी बनाने के उनके प्रयासों की सराहना के तौर पर दी गई। यूनाइटेड इन ट्रायम्फ ने भारतीय खेलों में एक नया अध्याय जोड़ा है। जहाँ हर एथलीट को उसके समर्पण, मेहनत और उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

झारखंड की दिव्यांग टीम ने उत्तराखंड को हराकर राष्ट्रीय क्रिकेट टूनार्मेंट में हासिल की पात्रता

पंच संवाददाता

रांची /भिलाई : छत्तीसगढ़ के मशहूर शहर भिलाई में डीडीसी द्वारा आयोजित क्वालीफाई मैच में झारखंड ने उत्तराखंड को 50 रनों से हराया झारखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड पहले बल्लेबाजी करते हुए 115 रन बनाए जवाबी पारी में उत्तराखंड की टीम 65 रन बन पाई और पूरी टीम ऑल आउट हो गई. झारखंड की तरफ से कप्तान मनीष की शानदार पारी खेलते हुए 54 रन बनाएं,मनीष कुमार का साथ विकास यादव ने दिया विकास यादव ने 36 रन बनाएं और तीन विकेट भी लिए. विकास यादव हुए. यह क्वालीफाई मैच था,अब झारखंड टीम फोर्थ नेशनल क्रिकेट टूनार्मेंट जो की 15 से 25 तक राजस्थान के उदयपुर में है वहां खेलने जाएगी झारखंड टीम 12 तारीख को 12 अक्टूबर को नेशनल खेलने उदयपुर के लिए जाएगी. झारखंड के ऐतिहासिक जीत पर संस्था के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह डीडीसी के राष्ट्रीय सचिव रविकांत चौहान झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट अर्चित आनंद, वाइस प्रेसिडेंट सर्फे आलम,जग्गू, वारिस कुरैशी,आफताब आलम, मुकेश कुमार दुबे, मोहम्मद शाहिद, तबरेज अंसारी जाहिद अंसारी अफरोज आलम ने टीम को बधाई दी. झारखंड दिव्यांग क्रिकेट की जीत पर तमाम खिलाड़ी बहुत खुश है और आशा यह कर रहे हैं कि उदयपुर नेशनल टूनार्मेंट में भी हम अच्छा करेंगे. बधाई देने में छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव , अभिषेक सिंह, अजय झा, कोऑर्डिनेटर सेंट्रल जोन संजय भोसले संजय तोमर ने भी झारखंड टीम को बधाई दी है।

खेल से छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास : वीसी

एजेंसी

मुरादाबाद । तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद में कॉलेज आफ फिजिकल एजुकेशन की ओर से ग्रासरूट नर्चरिंग प्रोग्राम के तहत इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही टीएमयू इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024 का सोमवार को समापन हुआ। चैम्पियनशिप में स्प्रिंगफील्ड के ताशु, एसएस एकेडमी की अवनी, गोल्डन गेट की नव्या, अनाया, निर्वाण और अनंत को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इंटर स्कूल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2024 के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि टीएमयू के कुलपति प्रो. वीके जैन ने कहा कि खेलों से स्टुडेंट्स में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। खेल हमें सामाजिकता सिखाते हैं। साथ ही हमारे व्यक्तित्व में भी निखार आता है। टीएमयू इंटर स्कूल बैडमिंटन चौंपियनशिप में ब्वायज सिंगल्स में स्प्रिंगफील्ड कॉलेज, मुरादाबाद के ताशु अव्वल रहे। गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल-मुरादाबाद के अनंत दूसरे, जबकि गांधी नगर पब्लिक स्कूल, मुरादाबाद के लक्ष्य तीसरे स्थान पर रहे। गर्ल्स सिंगल्स के फाइनल में एसएस चिल्ड्रन एकेडमी- मुरादाबाद की अवनी सिंह विजेता रहीं। पीएमएस स्कूल मुरादाबाद की अक्षिता गुप्ता दूसरे और गोल्डन गेट ग्लोबल पब्लिक स्कूल की निम्रित गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। स्प्रिंगफील्ड के ताशु ने गोल्डन गेट के अनंत को 2, एसएस एकेडमी की अवनि ने पीएमएस की अक्षिता को 2 से मात दी।

लंच तक बांग्लादेश ने 6 विकेट पर बनाए 205 रन, मोमिनुल का शतक

एजेंसी

कानपुर । यहां ग्रीन पार्क में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में तीन दिन बारिश के कारण केवल 35 ओवर का खेल होने के बाद आज चौथे दिन पहली बार सुबह का सत्र बिना किसी व्यवधान के हो सका। चौथे दिन लंच तक बांग्लादेश ने मोमिनुल हक (नाबाद 102) रन के बेहतरीन शतकीय पारी की बदौलत 6 विकेट पर 205 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक 102 और मेहदी हसन 6 रन बनाकर नाबाद हैं। तीन दिन बाद आज सुबह कानपुर में आखिरकार सूर्य देवता के दर्शन हुए। बांग्लादेश ने अपने स्कोर 3 विकेट पर 107 रन से आगे खेलना शुरू किया। हालांकि बांग्लादेशी टीम अपने स्कोर में केवल 5 रन ही जोड़ पाई थी, तभी बुमराह ने मुश्फिकुर रहीम (11) को बोल्ड कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। इसके बाद 148 के स्कोर पर सिराज की गेंद पर रोहित शर्मा ने बेहतरीन कैच लेकर लिटन दास को चलता किया। लिटन ने 13 रन बनाए। अनुभवी शाकिब भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 9 रन बनाकर अश्विन का शिकार बने।

बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमटी, मोमिनुल हक का नाबाद शतक

कानपुर। यहां ग्रीन पार्क में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन लंच के बाद आज बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमट गई। मोमिनुल हक ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए 107 रन बनाए। तीन दिन बाद आज सुबह कानपुर में आखिरकार सूर्य देवता के दर्शन हुए। बांग्लादेश ने अपने स्कोर 3 विकेट पर 107 रन से आगे खेलना शुरू किया। हालांकि बांग्लादेशी टीम अपने स्कोर में केवल 5 रन ही जोड़ पाई थी, तभी बुमराह ने मुशिफकुर रहीम (11) को बोल्ड कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। इसके बाद 148 के स्कोर पर सिराज की गेंद पर रोहित शर्मा ने बेहतरीन कैच लेकर लिटन दास को चलता किया। लिटन ने 13 रन बनाए। अनुभवी शाकिब भी कुछ खास नहीं कर

समित द्रविड़ के ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच में खेलने पर संदेह

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑलराउंडर समित द्रविड़, जिन्हें पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रखा गया था, घुटने की चोट से उबर नहीं पाए हैं और संभवतः चेन्नई में होने वाले आगामी चार दिवसीय मैचों से भी चूक जाएँगे। भारत अंडर-19 के कोच ऋषिकेश कानितकर ने चेपक में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर रविवार को कहा, अभी वह एनसीए में हैं और अपने घुटने की चोट से उबर रहे हैं। इसलिए मुझे अभी तक पता नहीं है। ऐसा लगता नहीं है कि ऐसा होगा। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित को महाराजा टी-20 ट्रॉफी में खेलने के बाद भारत की अंडर-19 टीम में पहली बार शामिल किया गया था, जहां उन्होंने मैसूर वॉरियर्स के लिए खेला था, और कूच बिहार ट्रॉफी में भी उन्होंने हिस्सा लिया था, जिसे कर्नाटक ने जीता था। हालांकि, अब 18 साल के हो चुके समित 2026 में होने वाले अगले अंडर-19 विश्व कप के लिए पात्र नहीं होंगे। आईसीसी के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो अंडर-19 विश्व कप में खेलने के लिए पात्र है, उसकी आयु 31 अगस्त, 2025 तक 19 वर्ष से कम होनी चाहिए। लेकिन समित 11 अक्टूबर को 19 वर्ष के हो जाएंगे और इसलिए वे 2026 अंडर-19 विश्व कप के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं कर पाएंगे। भारत के पूर्व बल्लेबाज और एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि वे 2026 टी20 विश्व कप के लिए प्रतिभा पूल का चयन करने के बजाय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देने को प्राथमिकता दे रहे हैं। लक्ष्मण ने बेंगलुरू में नए अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के उद्घाटन के अवसर पर कहा, ₹अब हम ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ सीरीज खेल रहे हैं और सौभाग्य से बहुत से खिलाड़ी जो अगले विश्व कप से बाहर हो सकते हैं, वे इस सीरीज का हिस्सा हैं। इसलिए कुल मिलाकर उन्हें अनुभव प्राप्त है और वे केवल विश्व कप तक ही सीमित या विवश नहीं हैं।

धनंजय डी सिल्वा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल की संभावनाओं को नकारा

एजेंसी

गाले । श्रीलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-0 की शानदार जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 ??की तालिका में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, श्रीलंका को इस चक्र में चार टेस्ट और खेलने हैं, जिनमें दो दक्षिण अफ्रीका में और दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर हैं। श्रीलंका ने अब लगातार तीन टेस्ट जीते हैं, जिसकी शुरूआत इस महीने की शुरूआत में ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ यादगार जीत से हुई थी। इसके बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर दो मैचों की सीरीज जीती, श्रीलंकाई टीम ने पहला मैच 63 रन से और दूसरा मैच एक पारी और 154 रन से जीता। धनंजय ने मैच के बाद टेस्ट फाइनल में पहुंचने की दौड़ में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम केवल एक मैच से दूसरे मैच तक ही सीमित रह गए हैं। अगर आप बहुत आगे की ओर देखते हैं तो आप तत्काल महत्वपूर्ण चीजों को मिस कर सकते हैं। यह वही है जो मैं हमेशा युवा खिलाड़ियों से कहता हूं, अगर आप एक मैच से दूसरे मैच तक वही करते हैं जो जरूरी है, तो अंक तालिका में जो होना चाहिए वह खुद ही हो जाएगा।हालांकि, श्रीलंका के कप्तान को गर्व है कि उन्होंने टीम को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 5वें स्थान पर पहुंचा दिया है। धनंजय ने कहा, ₹मैं छह साल से टीम का हिस्सा हूं और हम हमेशा रैंकिंग में ऊपर आना चाहते थे, लेकिन हमने कोशिश की और असफल रहे। हम सही टीम नहीं बना पाए, लेकिन अब हमारे पास यह है। और अब हमारे पास ऐसे संयोजन भी हैं जो किसी भी सतह पर काम कर सकते हैं, चाहे वह घरेलू हो या विदेशी। दूसरे टेस्ट में श्रीलंका की बड़ी जीत न्यूजीलैंड को पहली पारी में रनों के पहाड़ के नीचे दबाने के परिणामस्वरूप हुई।

राजस्थान पुलिस ने जीती, अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता

एजेंसी

मंडी । मंडी के ऐतिहासिक पड्डल मैदान में खेली गई 51 वीं अखिल भारतीय ग्रीष्मकालीन फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब राजस्थान पुलिस ने हासिल किया। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में राजस्थान की टीम ने फुटबाल क्लब मंडी को 3-1 गोल से हराया। मैच बेहद रोमांचक रहा और मंडी की टीम ने भी जोरदार मुकाबला खेला। राजस्थान पुलिस की के इमरान ने खेल के 5वें मिंट में ही गोल करके स्कोर 1 गोल से बढ़त हासिल कर ली। मैच का दूसरा गोल राजस्थान पुलिस की ओर से खेल के 33 वें मिंट में दूसरा गोल करके अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया मगर कुछ ही देर बाद खेल के 36 वें मिंट में फुटबाल क्लब के राहुल ने गोल दाग कर इस अंतर को कम करके 2-1 कर दिया। मध्यांतर तक यही स्कोर बना रहा। खेल के अंतिम क्षणों में 87 वें मिंट में राजस्थान पुलिस के युवराज ने गोल करके अपनी टीम को 3-1 से अजेय बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही। फुटबाल क्लब मंडी के गोलकीपर राहत बाधवा ने अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए राजस्थान पुलिस के कई आक्रमण असफल करके गोल बचाए। पुलिस अधीक्षक मंडी साक्षी वर्मा ने विजेता उपविजेता टीमों को ट्राफी, मेडल व पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय भी प्राप्त किया। आयोजकों ने पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा को स्मृति चिह्न प्रदान किए। उन्होंने इस मौके पर आयोजकों की सराहना करते हुए ।

भारत ने अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को हराया

भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट 141 रन बनाए, विंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 121 रन ही बना सकी

एजेंसी

नई दिल्ली । जेमिमा रोड्रिग्स के शानदार अर्धशतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को दुबई के आईसीसीए 2 ग्राउंड पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को 20 रन से हरा दिया। बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद, भारतीय टीम मुश्किल में पड़ गई, जब शैफाली वर्मा, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जल्दी आउट हो गईं। हेली मैथ्यूज (4/17) ने शुरूआत में ही दो विकेट लेकर भारत को मुश्किल में डाल दिया। भारतीय टीम केवल 23 रन पर 3 विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। लेकिन यहां से जेमिमा और यास्तिका भाटिया (24) ने 50 रन जोड़कर भारत को मैच में वापसी दिलाई। मैथ्यूज ने यास्तिका को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। जेमिमा ने एक तरफ से भारतीय पारी के संभाले रखा और अंततः 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुईं। भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट 141 रन बनाए। जवाब में विंडीज की शुरूआत बेहद खराब रही, 13 रन पर तीन विकेट गिर गए, जिसमें मैथ्यूज (पांच गेंदों पर शून्य रन) का विकेट भी शामिल था। इसके बाद शेमेन कैम्पबेल (20) और चिनेल हेनरी (नाबाद 59) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। लेकिन कैम्पबेल के आउट होने के बाद, दीप्ति शर्मा (2/11) ने एक ओवर में दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 121 रन ही बना सकी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने किया शानदार प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने अभ्यास मैच में इंग्लैंड को हराकर शानदार शुरूआत की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए, जिसमें बेथ मूनी (50) ने उन्हें बेहतरीन शुरूआत दी। उन्हें अर्धशतक बनाने के लिए सिर्फ 30 गेंदों की जरूरत थी और एलिसा हीली (12) और एलीस पेरी (7) कुछ खास नहीं कर सकीं। मूनी और एश्ले गार्डनर (21) के बीच 50 रनों की साझेदारी को चार्ली डीन (1/16) ने तोड़ा, लेकिन ताहलिया मैकग्राथ (31) और जॉर्जिया वेयरहम (नाबाद 18) ने तेजी से रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इंग्लैंड की गेंदबाजों में लॉरेन बेल ने 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरूआत की। माया बाउचियर ने 17 रन की तेज पारी खेली, हालांकि वह बड़ा स्कोर बना पातीं, इससे पहले वह डार्सी ब्राउन का शिकार बनीं।

लिसेस्टर में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई लिसेस्टर सिटी और आर्सेनल की टीमें।

धरती का स्वर्ग कश्मीर

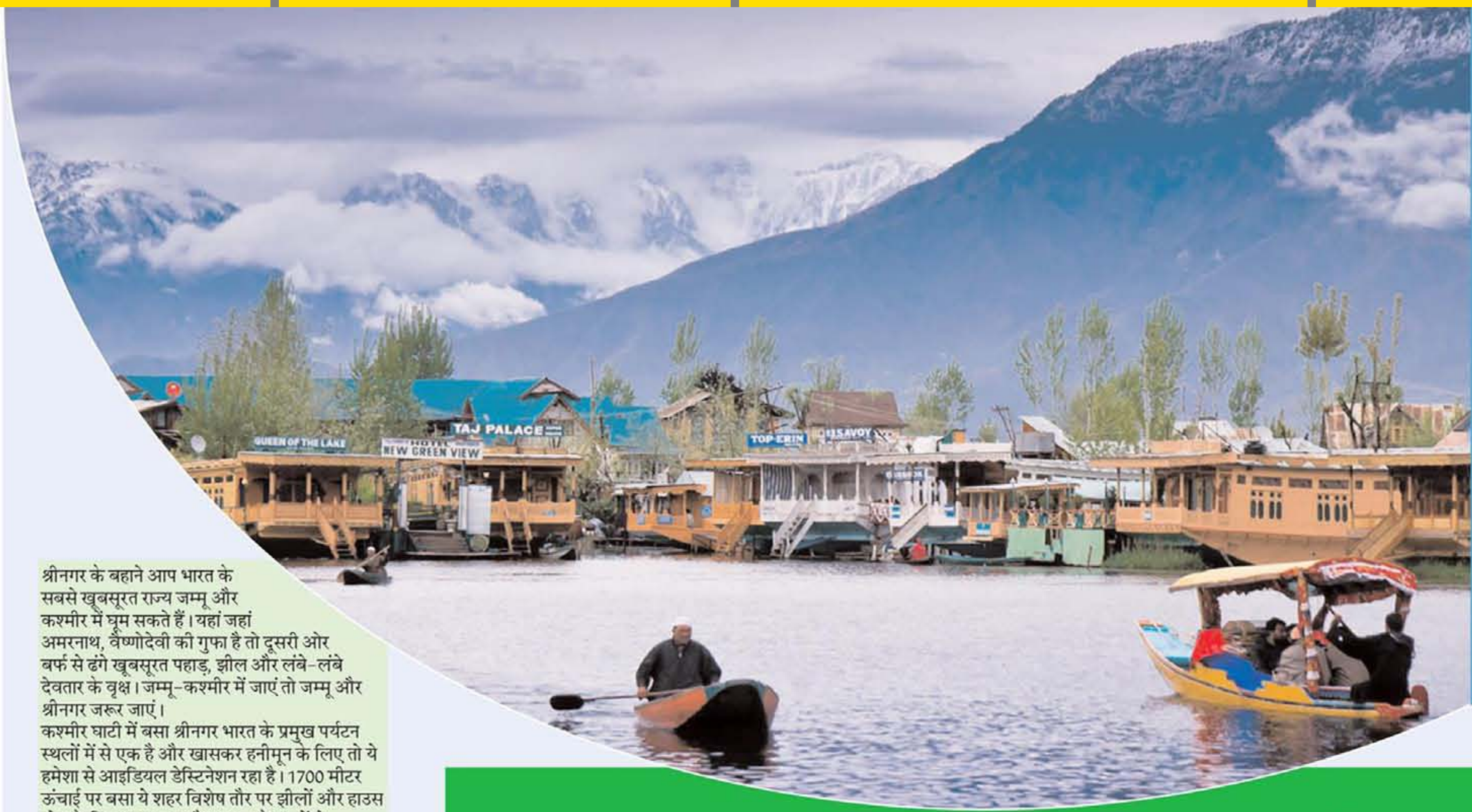

श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां जहां अमरनाथ, वैष्णोदेवी की गुफा है तो दूसरी ओर बर्फ से ढंगे खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। जम्मू-कश्मीर में जाएं तो जम्मू और श्रीनगर जरूर जाएं।

कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और खासकर हनीमून के लिए तो ये हमेशा से आइडियल डेस्टिनेशन रहा है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा ये शहर विशेष तौर पर झीलों और हाउस बोट के लिए जाना जाता है। कमल के फूलों से सुसज्जित डल झील पर कई खूबसूरत नावों पर तैरते घर हैं जिन्हें हाउस बोट कहा जाता है।

अगर आपको भीड़-भाड़ से दूर एकदम शांत वातावरण में किसी हाउस बोट में रहने की इच्छा है तो आप नागिन लेक या झेलम नदी पर खडे हाउस बोट में ठहर सकते हैं। नागिन झील भी कश्मीर की सुंदर और छोटी-सी झील है। आमतौर पर यहां विदेशी सैलानी ही ठहरना पसंद करते हैं।

खूबसूरत झील के बाद बात आती है आकर्षक बाग-बगीचों की। यहां मौजूद मुगल गार्डन इतने बेहतरीन और सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है कि मुगलों का उद्यान-प्रेम इनकी खूबसूरती के रूप में यहां आज भी झलकता है। इसके अलावा शालीमार बाग, निशात बाग जैसे कई महत्वपूर्ण उद्यानों को देखे बिना श्रीनगर का सफर अधूरा-सा लगता है। इन उद्यानों में चिनार के पेड़ों के अलावा और भी छायादार वृक्ष हैं। रंग-बिरंगे फूलों की तो इनमें भरमार रहती है। इन उद्यानों के बीच बनाए गए झरनों से बहता पानी भी बेहद आकर्षक लगता है।

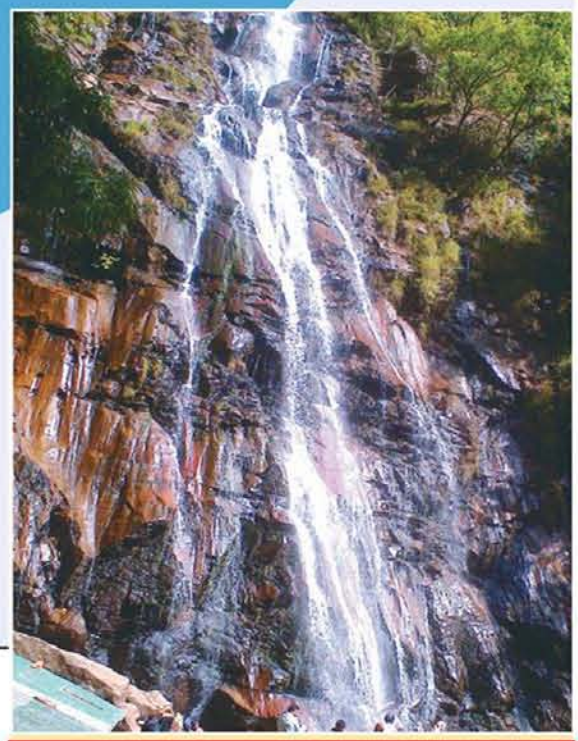

मनाली प्रकृति का अद्भूत नजारा

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश प्रान्त का एक शहर है। मनाली कुल्लु घाटी के उत्तर में स्थित हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से 2050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनाली व्यास नदी के किनारे बसा है। गर्मियों से निजात पाने के लिए इस हिल स्टेशन पर हजारों की तादाद में सैलानी आते हैं। सर्दियों में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। आप यहां के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के अलावा मनाली में हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कायकिंग जैसे खेलों का भी आनंद उठा सकते है। यहां के जंगली फूलों और सेब के बगीचों से छनकर आती सुंगंधित हवाएं दिलो दिमाग को ताजगी से भर देती हैं।

अर्जुन गुफा

इस गुफा को देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां आते हैं। यह गुफा पिरनी गांव में है। मान्यता है कि महाभारत काल में अर्जुन ने यहां ठहर करके पशुपति अस्त्र हासिल किया था।

नेहरू कुंड

रोहतांग मार्ग पर बना यह सुन्दर प्राकृतिक झरना मनाली से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां सुबह-शाम सैलानियों का जमावड़ा रहता है।

सोलंग घाटी

सोलंग घाटी मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां बर्फ व ग्लेशियरों के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। स्कीइंग के लिए मशहूर यहां की ढलानों पर सैलानी इस खेल का खूब आनन्द लेते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थल

मनाली से कुछ दूरी पर है कुल्लू घाटी। यहां कलकल करती नदियां, पहाडियों से गिरते झरने, देवदार के घने वृक्ष कुल्लू घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य को बयां करते हैं। कुल्लू में ढेर सारे दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख हैं मणिकर्ण। यहां कुदरती गर्म पानी के चश्मे (झरने) हैं। मणिकर्ण की दूरी कुल्लू से 40 किलोमीटर है। मणिकर्ण से 30 किलोमीटर आगे बर्फ से ढका ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है, जिसमें कलरव करते रंग-बिरंगे पक्षी, कस्तूरी मृग, तेंदुए तथा तीतर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा व्यास नदी के किनारे फलों के बागों की खूबसूरती देखते ही बनती है। 'कुल्लू' का दशहरा भी विश्व प्रसिद्ध है। यह त्योहार दशहरे के बाद शुरू होता है और करीब पन्द्रह दिन तक चलता है।

ऐसे पहुंचे

सड़क मार्ग

कुल्लू मनाली, दिल्ली से 600 किलोमीटर की दूरी पर है। यह शिमला से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा है। दिल्ली, शिमला व चंडीगढ़ से मनाली के लिए हिमाचल परिवहन निगम की बसें उपलब्ध हैं। साधारण किराया 480 रुपए, डीलक्स बस का किराया 850 रुपए है।

रेल मार्ग

यहां के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। निकटतम रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ है। चंडीगढ़ से मनाली 260 किलोमीटर दूर है। आप शिमला होते हुए मनाली पहुंच सकते हैं। पिंजौर तक रेल द्वारा जाया जा सकता है। दिल्ली से कालका का किराया 150 रुपए है।

वायु मार्ग

कुल्लू मनाली वायु मार्ग द्वारा भी जाया जा सकता है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा भुयंक है, जो मनाली से 50 किलोमीटर दूरी पर है। हवाई जहाज का किराया लगभग 6000 रुपए है।

हिडिम्बा मंदिर

लकड़ी से बना हिडिम्बा मन्दिर मनाली का मुख्य आकर्षण है। चार मंजिल का यह मंदिर 1553 में बनाया गया था, जो भीम की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है। पूरे मंदिर में काष्ठ पर हिन्दू मिथकों से ली गई गाथाएं उकेरी गयी हैं। ढूंगरी वन विहार में स्थित इस मंदिर में मई के महीने में भव्य उत्सव होता है। मनाली से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित पुराना मनाली भी पर्यटकों को मुग्ध कर देता है। यह स्थान गेस्ट हाउसों और फूलों के बागीचों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर स्थित है मनु महर्षि मंदिर। मान्यता है कि आदिपुरुष मनु ने यहीं पर ध्यान लगाया था। मनाली में माल रोड से करीब चार किलोमीटर दूरी पर वशिष्ठ नामक एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है। इस गांव में मुनि वशिष्ठ और भगवान राम को समर्पित कई पुराने मंदिर हैं। यहीं पर ठंडे और गर्म चश्मे हैं, जहां आप भी स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा तिब्बती शरणार्थियों द्वारा 1960 में निर्मित गाधन थेकचोलिंग गोम्पा स्थित है। पारम्परिक गोम्पाओं की तरह चटख सुनहरे और लाल रंग से सजे इस बौद्ध मंदिर में शाक्य मुनि बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। गोम्पा की बाहरी दीवार पर तिब्बत में 1987 से 1989 के बीच चीनी कार्रवाई में मारे गए नागरिकों के नाम लिखे हुए हैं। दरअसल मनाली का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रा ही है। ज्यादातर लोग रोहतांग दर्रा की वजह से यहां आते हैं। यहां पर अक्तूबर से फरवरी के मध्य बर्फ पड़ती है। रोहतांग से लेह का राष्टीय राजमार्ग भी छह महीने के लिए बन्द कर दिया जाता है, क्योंकि यहां मौसम पल-पल बदलता रहता है। बर्फ का लुत्फ उठाने के लिए सैलानी यहां पर आते हैं। गिरती हुई बर्फ को देख कर सैलानियों का मन आकाश की ऊंचाइयों को छूने लगता है।

एडवेंचर/ट्रेकिंग

मनाली न केवल प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को बांधे रखने में सक्षम है, बल्कि यहां उपलब्ध एडवेंचर टूरिज्म के कारण बार-बार यहां आने का मन करता है। एक ओर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग लर्जी, कटरैन तथा कसौल में मछली के शिकार की सुविधा देता है तो वहीं रोहतांग-ला में आप माउन्टेन बाइकिंग का मजा ले सकते हैं। मई से मध्य जून, सितम्बर से मध्य अक्तूबर तक व्यास नदी में राफ्टिंग का लुफ्त लिया जा सकता है। अगर आप अधिक रोमांच चाहते हैं तो मनाली के उत्तर में सोलांग नल्ला बाहें पसारे आपका स्वागत करता है। यहां पर पर्वतारोहण, ट्रैकिंग के लिए भी ढेर सारी जगहें हैं।

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल

पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

लोकप्रिय जलप्रपात

यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी

दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं। शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

सतपुड़ा की रानी

पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाए पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं। पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं।

ऐसे पहुंचे

अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरें

मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

अभिनय की दुनिया से दूर रहती हैं जैकी श्रॉफ की लाडली कृष्णा श्रॉफ?

कृष्णा श्रॉफ इन दिनों खतरों के खिलाड़ी के फिनाले की वजह से सुर्खियों में हैं। इस सीजन में वह आखिरी दौर तक पहुंचने वाली एकमात्र महिला थी। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने करणवीर मेहरा, गश्मीर महाजनी, शालीन भनोट और अभिषेक कुमार के साथ अपनी जगह बनाई थी।

अभिनेत्रियों को लुक में देती हैं मात

कृष्णा श्रॉफ मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बहन हैं। फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद भी वह अभिनय की दुनिया से अब तक दूर हैं। भले ही उन्होंने किसी फिल्म में काम नहीं किया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता अभिनेत्रियों से कम नहीं है। अपने लुक से वह बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को भी मात देती हैं।

इतनी पढ़ी-लिखी हैं कृष्णा

कृष्णा श्रॉफ ने अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। इसके आगे की पढ़ाई उन्होंने दुबई से की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म निर्माण और निर्देशन की डिग्री भी ले रखी है।

क्या करती हैं जैकी की लाडली?

आमतौर पर फिल्मी सितारों के बच्चे पढ़ाई पूरी करने के बाद इंडस्ट्री में ही अपनी जगह बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं। हालांकि, कृष्णा ने बाकी सबसे अलग एंटरप्रेन्योर बनने का फैसला किया। अपने भाई टाइगर और मां आयशा श्रॉफ के साथ मिलकर उन्हें मार्शल आर्ट स्टूडियो की शुरुआत की, जिसका नाम एमएमए मैट्रिक्स है। फिटनेस के मामले में भी वह अच्छे-अच्छों को मात देती हैं। उनके कई फिटनेस वीडियो उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सक्रिय

कृष्णा यूं तो लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करती हैं, लेकिन अक्सर उनकी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 14 लाख लोग फॉलो करते हैं। अक्सर वह अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं।

मां बनने के बाद सेट पर लौटीं यामी गौतम

लंबे समय से पर्दे से दूर रहने और मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद अभिनेत्री यामी गौतम काम पर लौट आई हैं। हाल ही में उन्हें एक विशेष कार्यक्रम में देखा गया, जहां से अभिनेत्री ने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर 1.97 करोड़ फॉलोअर्स वाली यामी ने अपने खूबसूरत लुक के साथ एक शानदार फोटो शेयर की। पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, काम पर वापस लौट रही हूं। इस शानदार इवेंट के लिए टीम का शुक्रिया। बता दें कि यामी ने फिल्म निर्माता आदित्य धर से जून 2021 में शादी की थी। इस साल 20 मई को उन्होंने अपने फैंस को बताया कि वह मां बनी हैं। उन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन बच्चे को जन्म दिया। काम की बात करें तो यामी ने 2008 में टीवी शो चांद के पार चलो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने राजकुमार आर्यन में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद, उन्होंने कलर्स पर प्रसारित होने वाले ये प्यार ना होगा कम में लहर की भूमिका निभाई। उन्होंने रियलिटी शो मीठी चूरी नंबर 1 और किचन चैंपियन सीजन 1 में भी भाग लिया था। उन्होंने 2009 की कन्नड़ फिल्म उल्लास उत्साह में मुख्य भूमिका के साथ अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की। यामी ने 2012 में शूजित सरकार की रोमांटिक कॉमेडी विक्की डोनर में मुख्य भूमिका के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। यामी टोटल सियापा, एक्शन जैक्सन, बदलापुर, सनम रे, जुनूनियत, सरकार 3 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उन्हें 2019 की फिल्म उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक में पल्लवी की भूमिका में देखा गया था, जिसे उनके पति आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया था। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसमें परेश रावल, कीर्ति कुल्हारी और मोहित रैना ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। अभिनेत्री को पिछली बार अपने पति की प्रोडक्शन फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म में प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमरकर भी थे। उनकी अगली फिल्म धूम धाम पाइपलाइन में है।

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता बने करण वीर मेहरा

रोहित शेट्टी के जरिए होस्ट किए जाने वाले स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को उसका विजेता मिल गया है। विनर की चमचमाती ट्रॉफी करण वीर मेहरा ने उठाई है। कई हफ्तों के कठिन स्टंट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद करण वीर ने कृष्णा श्रॉफ और गश्मीर महाजनी को मात देते हुए विजेता का ताज अपने सिर सजाया। साथ ही एक नई हुंडई क्रेटा घर ले गए। इतना ही नही प्राइज मनी के रूप में करण वीर को 20 लाख रुपये मिले। खतरों के खिलाड़ी 14 के टॉप 2 में करण वीर मेहरा और कृष्णा श्रॉफ थे, गश्मीर तीसरे स्थान पर रहे। पूरे सीजन में अपने शांत दृष्टिकोण और दृढ़ भावना के लिए जाने जाने वाले करण वीर ने लास्ट स्टंट में इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया कि वह विजेता की ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल हो गए। ट्रॉफी जीतने के बाद करण वीर मेहरा ने मीडिया से रूबरू होते हुए अपने विश का खुलासा किया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने विश मांगी थी कि अगर वह खतरों के खिलाड़ी 14 की ट्रॉफी जीत लेंगे तो घर आते ही अपने सारे बाल उड़ा देंगे। करण वीर ने यह भी कहा कि अगर आसिम रियाज होते तो वह शो जीत सकते थे, लेकिन अपनी बेवकूफी की वजह से उन्होंने सबकुछ खराब कर दिया। जानकारी हो कि करण वीर मेहरा जाने-माने टेलीविजन अभिनेता हैं। वह टीवी के कई टॉप शोज का हिस्सा रह चुके हैं।

बिजी शेड्यूल से समय निकालकर परिवार के संग रहना पसंद करती हैं कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। कैटरीना अक्सर कई मौकों पर अपने काम से जुड़े किस्सों, पति विक्की कौशल के साथ बिताए पलों और उनसे जुड़ी बातों को प्रशंसकों के साथ साझा करना पसंद करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वो अपने काम के बीच भी समय निकालकर अपने करीबियों और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। यही पल उन्हें फिर से एनर्जी के साथ काम करने की ताकत देते हैं। कैटरीना ने एक इंटरव्यू में अपने काम और परिवार के बीच समय बिताने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जब आप लगातार काम करते हैं, तो निजी कामों के लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसी परिस्थिति में काम के साथ परिवार के लिए समय बिताना भी उतना ही जरूरी हो जाता है। जरूरी है कि हम अपने लिए समय निकालें। उस समय में हम अपना पसंदीदा काम करें या आराम करें। ऐसे पल हमें एनर्जी देते हैं। कई बार लोग कुछ सामान्य से पलों को अनदेखा कर देते हैं जबकि वो हमारे जीवन के लिए बहुत ही अमूल्य साबित हो सकते हैं। मेरे लिए काम के साथ अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल रहता है, लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि कुछ समय अपने लिए जरूर निकाल पाऊं।

भूल भुलैया 3 के बाद फिर साथ नजर आएंगी माधुरी दीक्षित-तृप्ति डिमरी?

अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर अपनी अगली फीचर फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी को चुना है। विक्रम मल्होत्रा के नेतृत्व में यह फिल्म सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में मार्च या अप्रैल 2025 में शुरू होने वाली है। त्रिवेणी को तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी प्रशंसित फिल्मों में उनके काम के लिए पहचाना जाता है। यह फिल्म पहले से ही 1990 के दशक की चर्चित अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और आज की सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक तृप्ति डिमरी की अनूठी जोड़ी के कारण हलचल पैदा कर रही है। पीपिंग मून के अनुसार, अगली फिल्म की कहानी का विवरण अभी भी गुप्त है, लेकिन यह पता है कि यह तीन किरदारों के इर्द-गिर्द घूमने वाली एक कॉमेडी-ड्रामा होगी। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी कॉमेडी और एक्शन के इस आकर्षक मिश्रण में एक मां-बेटी की जोड़ी को चित्रित करने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि फिल्म रोमांच और नाटकीय पलों से भरी होगी। हालांकि, इस फिल्म के लिए मुख्य अभिनेता का चयन अभी तक नहीं किया गया है। आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 2022 में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थ्रिलर जलसा के बाद विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी के बीच सफल साझेदारी को भी जारी रखती है। इस फिल्म के जरिए माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी दूसरी बार स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। दोनों को जल्द ही कार्तिक आर्यन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा जाएगा। अनीस बज्मी के जरिए निर्देशित इस फिल्म में माधुरी दीक्षित कथित तौर पर एक भूतनी के रूप में कैमियो भूमिका निभा रही हैं। फिल्म इसी साल दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता में काफी बढ़ोतरी हुई है। उनकी पाइपलाइन में राज शांडिल्य की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो शामिल है, जो 11 अक्तूबर को रिलीज होगी। इसके बाद 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 और 22 नवंबर को धड़क 2 रिलीज होगी। वह कार्तिक आर्यन के साथ अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म और शाहिद कपूर के साथ विशाल भारद्वाज की एक्शन ड्रामा में अभिनय करने के लिए भी तैयार हैं।

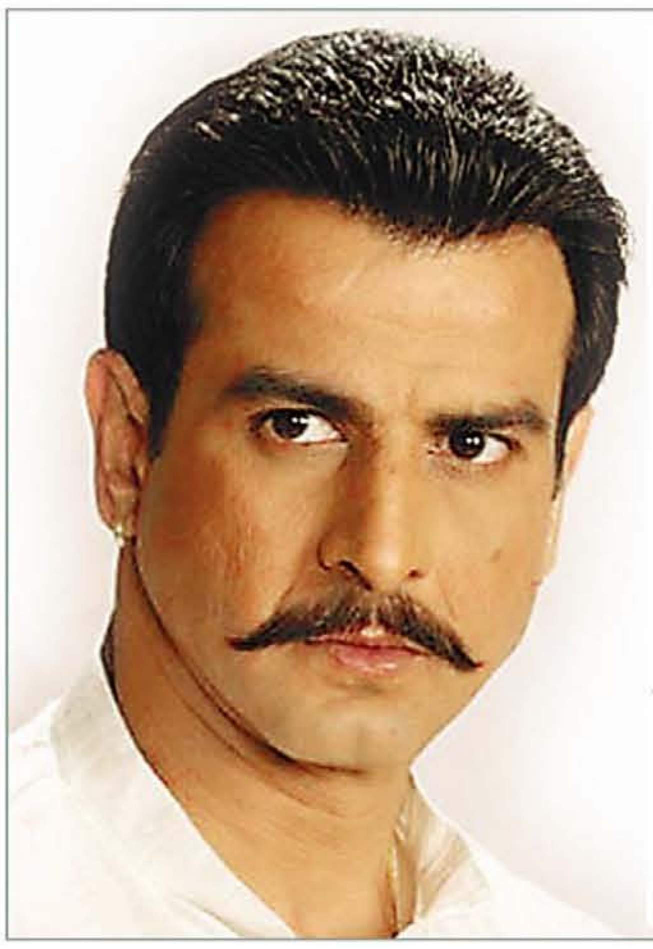

दर्दनाक रहा रोनित रॉय का 'बड़े मियां छोटे मियां' में काम करने का अनुभव, ये चीज बनी वजह

बॉलीवुड अभिनेता रोनित रॉय ने हाल ही में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत 'बड़े मियां छोटे मियां' की फिल्म में काम करने के अनुभवों को साझा किया। रोनित रॉय ने फिल्म में काम करने के अनुभव को दर्दनाक बताया। इसके अलावा, अभिनेता ने पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी के साथ काम करने से इनकार करने की बात भी कही। हाल ही में जूम को दिए गए एक साक्षात्कार में अभिनेता ने साझा किया कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें अपने काम के लिए अभिनय शुल्क मिला। उन्होंने कहा कि जो भुगतान उन्हें वाशु भगनानी से मिलना था उसे मिलने में देर हुई। हालांकि, हिमांशु मेहरा, जो बीएमसीएम के निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ काम करते हैं उनके हस्तक्षेप के बाद ही प्रक्रिया शुरू की गई। अभिनेता ने साक्षात्कार के दौरान कहा, 'और जब मुंबई में मेरे कर्मचारियों और सेट की सुरक्षा करने वाले सुरक्षा कंपनी के बकाया की बात आई, तो इसमें बहुत देरी हुई और हमें वह भी हिमांशु मेहरा की वजह से मिला।' इसके अलावा अभिनेता रोनित रॉय ने कहा कि हिमांशु के कहने पर उनके कर्मचारियों को दुबई सब्सिडी से भुगतान किया गया था। अभिनेता ने कहा, 'हिमांशु और जफर अब सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा भुगतान हो जाए। रोनित ने कहा कि उनके काम करने का अनुभव दर्दनाक रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में, वाशु ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि अली ने बीएमसीएम प्रोडक्शन को हाईजैक कर लिया है। जवाब में, रॉय ने कहा, 'वाशु हर दिन सेट पर थे। वह एक अनुभवी कलाकार हैं। यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्हें सेट पर यह कैसे पता नहीं चला।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 सितंबर, 2024 को बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई।

ओपन मैरिज में रहने को गलती मानती हैं कल्कि

अभिनेत्री कल्कि केकलां आजकल सिल्वर स्क्रीन पर बहुत कम नजर आती हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी फिल्म गोल्ड फिश को लेकर काफी चर्चा में हैं। कल्कि हमेशा से ही अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में रही हैं। अब हाल ही में, कल्कि ने ओपन मैरिज पर अपनी राय साझा की हैं। कल्कि ने कहा कि एक समय में वह इन ऑप्शंस की खोज में रहती थी, लेकिन अब उस रास्ते पर नहीं जाना चाहती हैं। कल्कि ने कहा, वह मेरे जीवन का एक अलग दौर था, मुझे नहीं लगता कि अब मैं इसमें शामिल हो सकती हूं।

सांसद को बुजुर्गों ने दिया आशीर्वाद, शहरवासियों ने की दीर्घायु की कामना

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा के

जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए क्षेत्रवासियों ने सांसद को जन्मदिन के मौके पर बधाई दी। सांसद को बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया और शहरवासियों ने उनकी दीर्घआयु की कामना की।

नोएडा के सैक्टर-27 स्थित कैलाश सभागार में पहुंचे शहरवासियों ने सांसद डा. महेश शर्मा को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह भेट किये एवं अभिनन्दन व स्वागत किया। सांसद का स्वागत करने आये कार्यकर्ताओं में काफी जोश था। बुजुर्गो ने आशीर्वाद दिया और आये हुए सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं दी एवं दीर्घायु की कामना की। शहरवासियों ने कहा कि इसी तरह क्षेत्र की सेवा निरंतर करते रहे। इस अवसर पर सांसद डा. महेश शर्मा ने सभागार में मौजूद सभी लोगों का आभार जताया तथा उनके प्रेम के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट कीं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, दिनेश जैन, चेयरमैन खुर्जा भगवानदास सिंघल, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, सुरेश चंद शर्मा, सत्यप्रकाश सिंह, रोहित शर्मा, संजीव शर्मा, पंकज कौशिक, सेवानंद शर्मा, दीपक भारद्वाज, अभिषेक शर्मा, अशोक मिश्रा, सत्य नारायण महावर, पंकज झा, बब्लू यादव, मनोज उपाध्याय, रोहित ठाकुर, दीपक दुल्हेरा, रविन्द्र शर्मा, अर्पित तिवारी, रविकान्त मिश्रा, एस पी चमोली, महेश शर्मा मंडल अध्यक्ष, सुनील भारद्वाज, राजेश सिंह, संजय चैहान, महामंत्री गणेश जाटव, उमेश त्यागी, प्रमोद बहल, गिरिश कोटनाला, प्रदीप रतुडी, राकेष शर्मा पूर्व महानगर अध्यक्ष, मान सिंह चैहान, गोपाल गौड़, विकास जैन, मुकेश शर्मा आदि हजारों की संख्या में जन्मदिन की बधाई देने के लिए क्षेत्र की जनता उपस्थित रहे।

रालोद से युवाओं को जोड़ने का दिया लक्ष्य

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल नोएडा विधानसभा की मासिक बैठक नोएडा सेक्टर-18 स्थित कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष बी0 एल0 अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर महानगर नोएडा अध्यक्ष विजेन्द्र यादव मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बी0एल0 अग्रवाल ने पार्टी के विस्तार के लिए टीम को प्रेरित किया एवं पार्टी की विचारधारा जन-जन तक पहुँचाकर अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य दिया। महानगर नोएडा अध्यक्ष विजेन्द्र यादव ने चौधरी साहब को याद करते हुये बताया कि रालोद किसान मज़दूर और वंचित वर्ग के साथ चलने वाली पार्टी है। चौधरी साहब के मार्ग पर चलते हुए हर कार्यकर्ता को पार्टी का विस्तार करना है।

इस मौके पर वरिष्ठ नेता विजय शर्मा, महासचिव सुनील पांडेय, महासचिव मोनू बड़ गूर्जर, विधानसभा उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, विधानसभा सचिव सपना सोनी महासचिव गौरव मौजूद रहे।

गाजियाबाद में लगाई जाएगी महाराणा प्रताप की मूर्ति

गाजियाबाद। अखंड राजपूताना सेवा संस्थान की एक बैठक शक्तिखंड इंदिरापुरम में

आयोजित की गई, जिसमें वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति के अनावरण के अलावा संस्था के पुनर्गठन के कार्य को पूरा करने पर चर्चा हुई। समारोह की अध्यक्षता केपी सिंह ने की।

अखंड राजपूताना सेवा संस्थान की बैठक वन मॉल के पीछे इंदिरापुरम शक्ति खंड 557 तीन पर आयोजित की गई। बैठक में संस्था के पुनर्गठन की प्रक्रिया को पूरा करना और वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति के अनावरण के संबंध में चर्चा करना था।

ज्ञातव्य है कि 15 अगस्त 2024 को वीके सिसोदिया के आवास पर हुई बैठक में संस्था के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें 7 लोगों का चुनाव हुआ था और यह तय हुआ था कि सभी चयनित सात लोग मिलकर के बाकी 45 अन्य लोगों का कार्यकारिणी में मनोनीत करेंगे। बैठक में केपी सिंह, विजयपाल सिंह, एमपी सिंह ,सत्यपाल सिंह चौहान, सुप्रिया सिंह, निशा सिंह,सीमा सिंह , दीप तोमर, राहुल सिंह, किशन चौहान, एसपी सिंह चौहान डॉक्टर जेपी सिंह चौहान,डा.जेपी सिंह चौहान,वेदपाल सिंह कुशवाहा, बृज बिहारी सिंह, विनोद कुमार सिसोदिया, प्रेमपाल सिंह और अरुण सिंह बघेल शामिल हुए।

युवाओं को नशे से बचाना सबसे बड़ी चुनौती : मनीष वर्मा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार द्वारा नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने की वर्तमान तक की गयी कार्यवाही से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि आज के समय में सबसे बडी चुनौती युवाओं को नशे से बचाना है, इसके लिए जनपद में नशा मुक्ति अभियान संचालित करते हुये युवाओं को जागरूक किया जाये। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के स्रोतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालयों, अन्य शिक्षण संस्थाओं, आरडब्ल्यूए सोसाइटी, स्वंयसेवी संस्थाओं का अधिक से अधिक सहयोग लेते हुये व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाये।

अभियान चलाकर प्रवर्तन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में 24 नवंबर 2024 तक चलने वाले तंबाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए और इस अभियान के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया जाए कि तंबाकू के सेवन करने से क्या-क्या हानियां आपके स्वास्थ्य को हो सकती हैं। इसलिए तंबाकू का सेवन ना करें।

जिलाधिकारी द्वारा नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति के सुझावों को सुनते हुए कहा कि जनपद में नशीले पदार्थों के स्रोतों पर पूर्णतया अंकुश लगाने के उद्देश्य से जो सुझाव समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं, उनको संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए जनपद को नार्कोटिक्स फ्री बनाएं जाने की दिशा में कार्यवाही की जाए।

बैठक में जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चन्द, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ डा0 श्वेता खुराना, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'इजरायल ड्राइव का करें प्रचार'

गौतमबुद्धनगर। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित एकीकृत रोजगार संगम पोर्टल पर समस्त सरकारी एवं अर्द्धसरकारी विभागों का पंजीकरण कराने तथा जनपद के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मिशन रोजगार को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें जिला रोजगार सहायता अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीषा अत्री ने एकीकृत रोजगार संगम पोर्टल के विषय में उपस्थित अधिकारियों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। जिलाधिकारी ने जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री को निर्देश दिए कि जनपद के समस्त सरकारी एवं अर्द्धसरकारी विभागों का पंजीकरण एकीकृत रोजगार संगम पोर्टल पर शपथ प्रतिशत करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने सेवायोजन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में अधिक से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित कराया जाए ताकि जनपद के अधिक से अधिक बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि जनपद में श्रमिकों को इजरायल में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित इजरायल ड्राइव को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग आवेदन कर रोजगार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, लीड बैंक प्रबंधक इंदू जैसवाल, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम वेयर हाउस का डीएम ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस स्टाफ से वार्ता करते हुए सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त करते हुए ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से अवलोकन किया गया, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

किन्नरों को औद्योगिक सेक्टरों में जाने से रोके प्रशासन : एनईए

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उपजिलाधिकारी, जिला गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय सूरजपुर में

जिला उद्योग बन्धु की बैठक का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में नौएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के सह. कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी ने अवगत कराया कि किन्नरों द्वारा त्यौहारों के सीजन में औद्यौगिक प्रतिष्ठानों में जाकर अत्यधिक घनराशि की मॉग की जाती है उनकी मॉग पूरी न करने पर इनके द्वारा अभद्र भाषा का उपयोग किया जाता है तथा उत्पाद मचाया जाता है। अतः किन्नरों को औद्यौगिक प्रतिष्ठानों में जाने से रोका जाए।

सैक्टर-7 में औद्यौगिक भूखंड में शराब का ठेका चल रहा है। इस संबध में पूर्व में हुई बैठक में भी अवगत कराया गया था, लेकिन शराब के

जिला उद्योग बंधु की बैठक में एनईए ने की मांग

ठेके को अभी तक हटाया नही गया है। जिसके कारण आस-पास की औद्यौगिक इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उपरोक्त को सुनने के पश्चात् उपजिलाधिकारी ने कहा कि किन्नरों को औद्यौगिक प्रतिष्ठानों में जाने से रोकने हेतु किन्नर समाज के लोगों तथा सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक की जाएगी। औद्यौगिक सैक्टर में चल रहे शराब के ठेके के संबध में संबधित विभाग को जॉच करने के निर्देश दिए जाए।

बैठक में एन.ई.ए. के सह. कोषाध्यक्ष संदीप विरमानी, सुनील जैन, असीम जगिया, नवनीत अग्रवाल उपस्थित थे।